C M Y K

आज का विचार

कमाना आसान है क्योंकि इसकी तुलना किसी चीज से की जाती है, लेकिन संतुष्टि अत्यंत कठिन है क्योंकि इसके लिए मन की अनुमति की आवश्यकता होती है।

अम्बिकावाणी

www.ambikavani.com

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-85 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

रायपुर, बुधवार 28 मई , 2025

फर्जी वन अधिकार पत्र पर रामेश्वरपुर के ग्रामीणों ने की शिकायत

सूर्यकुमार यादव ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़कर बने नंबर 1 बल्लेबाज

पहला कॉलम

क्या फिर लगेगा लॉकडाउन? कोरोना से 11 की मौत के बाद शुरू हुईं अटकलें

नई दिल्ली ,27 मई (ए)। देश के कई राज्यों में कोरोना के एक्टिव केस सामने आने लगे हैं।?अब तक विभिन्न राज्यों में 11 लोगों की मौत कोरोना से होने की पुष्टि हुई है वहीं 1047 एक्टिव केस हैं।?एक हफ्ते में 750 से ज्यादा केस सामने आ चुके हैं वहीं दूसरी तरफ?यह चर्चा?शुरू हो गई है कि कोरोना केस बढने.के बाद क्या फिर से लॉकडाऊन लग जाएगा।

हालांकि लॉकडाउन की संभावना बिल्कुल नहीं है लेकिन सवाल उठने शुरू हो चुके हैं। चिंता की बात यह है कि बीते सात दिनों में कोरोना से जान गंवाने वालों का आंकड़ा सात पहुंच गया है। कोविड की वजह से जान गंवाने वालों में महाराष्ट्र के चार, केरल के दो और कर्नाटक का एक शख्स शामिल है।

भारत के अलावा दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ देशों में भी यह दोबारा उभर रहा है। हालांकि एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसे लेकर पैनिक करने की जरुरत नहीं है। फिलहाल कोविड के लक्षण हल्के हैं, लेकिन कुछ बुनियादी सावधानियां जरूरी हैं। कोविड को लेकर आम लोगों के मन में आ रहे जरूरी सवालों के जवाब हम आपको बता रहे हैं।

कुछ अलग

झारखंड के पलामू में मारा गया टॉप माओवादी नक्सली कमांडर तुलसी भुइयां, 12 घंटे से जारी है मुठभेड़

पलामू ,27 मई (ए)। झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस और सुरक्षाबलों को लगातार दूसरे दिन बड़ी सफलता मिली है। पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र में सोमवार रात से माओवादी नक्सलियों के सशस्त्र दस्ते के साथ जारी मुठभेड़ में पुलिस ने एक टॉप नक्सली कमांडर तुलसी भुइयां को मार गिराया है। मौके से एक एसएलआर राइफल भी बरामद की गई है। मुठभेड़ मंगलवार सुबह तक जारी है।

बताया जा रहा है कि मुठभेड़ में कुछ अन्य नक्सलियों को गोली लगी है। पुलिस और सुरक्षा बलों की टीम पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रही है। पलामू की एसपी रिष्मा रमेशन सहित सीआरपीएफ के बड़े अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं। पुलिस के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मोहम्मदगंज और हैदरनगर थाने की सीमावर्ती क्षेत्र सीताचुआं में 15 लाख के इनामी माओवादी नितेश के दस्ते के मूवमेंट की सूचना मिली थी। इस दस्ते में 10 लाख का इनामी संजय गोदराम भी शामिल है। सूचना के आधार पर पलामू पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ सर्च अभियान शुरू किया तो जंगल में छिपे नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

इसके बाद पुलिस ने भी घेराबंदी कर जवाबी फायरिंग की। इसके पहले सोमवार को पड़ोसी जिले लातेहार के नेतरहाट थाना क्षेत्र में पुलिस ने पांच लाख का इनामी भाकपा माओवादी नक्सली कमांडर मनीष यादव को मार गिराया था।

खरी-खरी

अंबिकापुर रेलवे स्टेशन में अतिरिक्त प्लेटफार्म बनाने रेल्वे की अधिकृत पत्र में मिली स्वीकृति

रेल्वे स्टेशन में फुट ओवर ब्रिज और कोच डिस्प्ले का कार्य भी होगा शीघ्र पूरा

अंबिकापुर, २७ मई। (अम्बिकावाणी समाचार)। अंबिकापुर रेलवे स्टेशन में अतिरिक्त प्लेटफार्म बनाने की स्वीकृति मिल गई है। प्लेटफार्म के संबंध में जानकारी देते हुए क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य मुकेश तिवारी ने बताया कि गत २६ मई को बिलासपुर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक में रेलवे के अधिकृत पत्र के माध्यम से इसकी जानकारी उन्हें दी गई है।श्री तिवारी ने बताया कि संभवतः जून माह में इसका टेंडर हो जाएगा और एक दो महीने के अंदर ही प्लेटफॉर्म बनने का कार्य प्रारंभ हो जाएगा। इसके अलावा रेल्वे स्टेशन में फुट ओवर ब्रिज कोच डिस्प्ले भी दो-तीन महीने के अंदर बनाने की बात रेलवे ने कही है।

सदस्य मुकेश तिवारी द्वारा अंबिकापुर रेलवे स्टेशन में रेलगाड़ियों की संख्या एवं दबाव को देखते हुए अतिरिक्त प्लेटफार्म का निर्माण ७ मार्च २०२५ को महाप्रबंधक के अंबिकापुर प्रवास के दौरान मांग किया गया था। महाप्रबंधक ने अतिरिक्त प्लेटफार्म निर्माण के लिए सहमति भी दिया गया था। अंबिकापुर रेलवे स्टेशन में अतिरिक्त प्लेटफार्म महती आवश्यकता के साथ ही वर्तमान प्लेटफार्म की लंबाई में वृद्धि व कोच डिस्प्ले बोर्ड के प्रावधान भी मांग रखी गई थी।

समिति की बैठक में रेलवे ने अपने अधिकृत पत्र के माध्यम से जानकारी दिया है कि अंबिकापुर रेलवे स्टेशन में अतिरिक्त प्लेटफार्म हेतु स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज एवं कोच डिस्प्ले बोर्ड के प्रावधान का प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है,लेकिन इसका भी कार्य २-३ महीने में पूरा हो जाएगा।

बैठक में सदस्य मुकेश तिवारी ने सुझाव दिया कि दुर्ग अंबिकापुर एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर १८२४१/१८२४२ में बर्थ की संख्या बढ़ाकर, ज्यादा सुविधाजनक किया जाए।एल बी एच कोच परिवर्तन से पहले यह २४ कोच की ट्रेन थी, परन्तु वर्तमान में मात्र १९ कोच की ट्रेन है। इस बहु उपयोगी और लाभकारी ट्रेन में २ कंपोजिट कोच ३/२ एसी, एक ३ एसी एक स्लीपर व एक जनरल कोच सहित कुल ५ कोच कम कर दिए गए हैं, जिससे यात्रियों को बहुत परेशानी हो रही है। उपरोक्त सभी श्रेणी के कोच की संख्या बढ़ाया जाना अत्यंत आवश्यक है।जिसके संदर्भ में रेल्वे ने गाड़ी संख्या १८२४१/१८२४२ (दुर्ग-अम्बिकापुर-दुर्ग) एक्सप्रेस दिनांक २० मई २०२५ से इसमें एक ३ एसी कोच का आवर्धन कर कुल २० कोचों के साथ परिचालन किया जाना बताया है।

पिट लाइन तथा अतिरिक्त प्लेटफॉर्म बनने के बाद इंटरसिटी ट्रेन के संचालन का खुल सकता है मार्ग-

परामर्शदात्री समिति की बैठक में सदस्य मुकेश ने रेल्वे के समक्ष अंबिकापुर से बिलासपुर रायपुर के लिए प्रातः काल इंटरसिटी ट्रेन के संचालन की मांग करते हुए सुझाव रखा,जिसपर रेल्वे ने स्वीकार किया कि वर्तमान में अम्बिकापुर से बिलासपुर अथवा रायपुर के लिए सुबह के समय कोई सीधी ट्रेन उपलब्ध नहीं है, किंतु यात्रियों के लिए अन्य विकल्प उपलब्ध हैं। वर्तमान में अम्बिकापुर-बिलासपुर-रायपुर के मध्य यात्रियों के आवागमन हेतु बिलासपुर-अनूपपुर-बिलासपुर/उसलापुर के मध्य ५८, रायपुर-अनूपपुर-रायपुर के मध्य ३० तथा अनूपपुर-अम्बिकापुर-अनूपपुर के मध्य ११ गाड़ियाँ परिचालित हैं।

इसके अतिरिक्त, गाड़ी संख्या १८२४१/१८२४२ (दुर्ग-अम्बिकापुर-दुर्ग) एक्सप्रेस दुर्ग-रायपुर-अम्बिकापुर के मध्य रात्री में सीधी सेवा प्रदान की गई है।अम्बिकापुर स्टेशन पर कोचिंग ट्रेनों के अनुरक्षण हेतु पिट लाइन तथा एक अतिरिक्त प्लेटफॉर्म का कार्य प्रगति पर है। कार्य पूर्ण होने के पश्चात इस सुझाव पर विचार किया जाएगा।

अंबिकापुर-रेणुकूट रेल लाइन के लिए मुखरता से रखी बात-

परामर्शदात्री समिति की बैठक में मुकेश तिवारी ने अंबिकापुर रेणुकूट रेल लाइन के लिए एक बार फिर से अपनी बात पूरी मुखरता के साथ रखी। श्री तिवारी ने बताया कि अंबिकापुर रेणुकूट रेल विस्तार की मांग काफी पुरानी है। इस बैठक में भी यह विषय एकाधिक बार आ चुका है। छत्तीसगढ़ विधानसभा से २६ जुलाई २०२४ को सर्वसम्मति से पारित अंबिकापुर रेणुकूट रेलवे लाइन के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक मार्ग के सर्वे या तो प्रक्रियाधीन हैं या संपन्न हो चुके हैं, परंतु इस बात से जनमानस में अनेक संदेह उत्पन्न हो रहे हैं इसलिए यह स्पष्ट करना चाहिए कि अंबिकापुर से कहां-कहां के लिए, कितनी बार और कब-कब सर्वे कार्य किया जाएगा। यह स्पष्टीकरण रेलवे एवं सरकार के प्रति जनता में पारदर्शिता जवाबदेही एवं स्पष्टता स्थापित करने वाला होगा। अंबिकापुर रेणुकूट रेल लाइन के लिए बजट में प्रावधान एवं यथाशीघ्र क्रियान्वयन की मांग रखी। श्री तिवारी ने बताया कि उक्त मार्ग में पर्याप्त मात्रा में मिनरलस हैं,इसके अलावा अंबिकापुर- रेणुकूट रेल मार्ग जुड़ जाने से दिल्ली बनारस की दूरी काफी कम हो जाएगी।

मुंबई में भारी बारिश ने बरपाया कहर, बीएमसी ने दर्ज की 79 घटनाएं; 3 घायल

मुंबई ,27 मई (ए)। मुंबई में मॉनसून के दस्तक देने से पहले ही भारी बारिश ने जमकर कहर बरपाया है। मुंबई में मूसलाधार बारिश के साथ ही शहर में पेड़ गिरने, शॉर्ट सर्किट और घर की दीवार गिरने की कई घटनाएं सामने आई हैं। बीएमसी के मुताबिक मुंबई में बारिश से हुए नुकसान को लेकर 79 मामले दर्ज किए गए हैं। बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कारपोरेशन (बीएमसी) ने एक बयान में बताया कि शहर भर में 79 मामले सामने आए हैं, जिससे यातायात जाम हो गया और दिन भर जलमग्न सड़कों पर चलने वाले यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई। मुंबई में 25 जगह शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगने के मामले सामने आए थे। वहीं, मुंबई में 45 अलग-अलग जगह पेड़ गिरने के मामले दर्ज किए गए हैं। बीएमसी ने बताया कि 9 जगहों पर भारी बारिश के कारण घर का हिस्सा गिर गया। इसके अलावा, 3 लोगों के घायल होने की सूचना भी मिली है। साथ ही, मुंबई के फोर्ट इलाके में सेंट जेवियर्स कॉलेज के पास पेड़ गिरने से 24 वर्षीय एक युवक घायल हो गया। पीड़ित की पहचान साईराज पवार के रूप में हुई है, जिसे सेंट जॉर्ज अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत अब स्थिर है। बीएमसी के मुताबिक, माहिम पश्चिम में एक दो मंजिला घर की दीवार गिरने की घटना सामने आई। मलबे में दो स्थानीय लोग फंस गए, लेकिन उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया है। मुंबई, कोंकण और पश्चिमी महाराष्ट्र में भारी बारिश के भारतीय मौसम विभाग के पूवार्नुमान के बीच महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शहरी विकास एवं आवास मंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को प्रशासन को सतर्क रहने और राहत कार्य चलाने का निर्देश दिया है।

अभी तो मैंने कुछ ज्यादा किया नहीं है और पाकिस्तान का पसीना छूट गया है सिंधु जल समझौते पर बोले पीएम मोदी

गांधीनगर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने गुजरात दौरे के दूसरे दिन गांधीनगर में रोड शो किया और लोगों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कई मुद्दे पर विस्तार से अपनी बात रखी।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान से सिंधु जल संधि तोड़ लेने पर पीएम मोदी ने कहा कि अभी तो मैंने कुछ किया ही नहीं है और वहां पसीने छूट गए हैं। बकौल पीएम मोदी, च्हम अपने काम में लगे थे, प्रगति की राह पर चले थे, हम सबका भला चाहते हैं और मुसीबत में मदद भी करते हैं, लेकिन बदले में खून की नदियां बहती हैं... १९६० में जो सिंधु जल समझौता हुआ है। अगर उसकी बारीकी में जाएंगे तो आप चौंक जाएंगे।

च्संधि में यहां तक तय हुआ कि

जो जम्मू-कश्मीर की अन्य नदियों पर बांध बने हैं, उनकी सफाई का काम नहीं किया जाएगा। उसके लिए गेट नहीं खोले जाएंगे। ६० साल तक गेट नहीं खोले गए। जिससे बांध में शत प्रतिशत पानी भरना चाहिए था, धीरे-धीरे उसकी क्षमता कम हो गई। क्या मेरे देशवासियों को पानी पर अधिकार नहीं है क्या? अभी हमने कुछ ज्यादा किया नहीं है और वहां पसीना छूट रहा है। हमने सफाई शुरू की है, इतने से वहां बाढ़ आ जाती है।

आतंक के मोर्चे पर पाकिस्तान फिर निशाने पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, च्६ मई की रात जो लोग मारे गए, पाकिस्तान में उन जनाजों को स्टेट ऑनर दिया गया। उनके ताबूतों पर पाकिस्तान के झंडे लगाए गए, वहां की सेना ने उनको सैल्यूट किया।

च्ये सिद्ध करता है कि आतंकवादी गतिविधि प्रॉक्सी वॉर नहीं है, ये आपकी (पाकिस्तान) सोची-समझी युद्ध की रणनीति है, आप वॉर ही कर रहे हैं, तो उसका जवाब भी वैसे ही मिलेगा।

उसी समय ले लेना था पीओके

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, च१९४७ में जब मां भारती के टुकड़े हुए, 'कटनी चाहिए थी जंजीरें लेकिन काट दी गई भुजाएं'। देश के ३ टुकड़े कर दिए गए। उसी रात पहला आतंकवादी हमला कश्मीर की धरती पर हुआ। मां भारती का एक हिस्सा आतंकवादियों के बलबूते पर मुजाहिदीनों के नाम पर पाकिस्तान ने हड़प लिया।

6 लोगों की लाशें कार में थी और बाहर बैठे सातवें ने कहा- 5 मिनट में मैं भी मर जाऊंगा

0 कर्ज से परेशान थे, ७ लोगों ने जहर खाकर जान दी 0 मरने वालों में दो दंपती और तीन बच्चे शामिल 0 देहरादून में शुरू किया था टूर एंड ट्रेवल्स का काम

पंचकूला। हरियाणा के पंचकूला में सोमवार रात दहला देने वाली घटना सामने आई। कर्ज के बोझ से दबे एक ही परिवार के ७ सदस्यों ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। सभी के शव कार में मिले।

मामले में नया खुलासा यह हुआ है कि परिवार देहरादून का रहने वाला था और पंचकूला में बागेश्वर धाम में हनुमंत कथा सुनने आया था। कथा सुनने के बाद परिवार कार से लौट रहा था। सभी ने रास्ते में जहर खाकर आत्महत्या कर ली।

पंचकूला सामूहिक आत्महत्या के मृतकों की पहचान

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृतकों में प्रवीन मित्तल, उनके पिता देशराज मित्तल, पत्नी, मां, दो बेटियां और एक बेटा शामिल है। सोमवार रात करीब ११:०० बजे पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर-२७ में मकान नंबर १२०४ के बाहर खड़ी गाड़ी में कुछ लोग गंभीर हालत में हैं।

पुलिस की ईआरवी पहुंची तो गाड़ी में छह लोग तड़प रहे थे। उन्हें तुरंत सेक्टर-२६ स्थित ओजस अस्पताल ले जाया गया। कुछ ही देर बाद घर के बाहर एक और व्यक्ति तड़पता हुआ मिला, जिसे सेक्टर-६ के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान सभी सातों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, परिवार के करीबी लोगों ने बताया कि परिवार पर भारी कर्ज था। प्रवीन मित्तल ने हाल ही में देहरादून में टूर एंड ट्रैवल्स का व्यवसाय शुरू किया था, जिसमें उन्हें भारी घाटा हुआ। आर्थिक तंगी के कारण परिवार ने यह दुखद कदम उठाया।

सुसाइड नोट मिला, जांच में जुटी पुलिस

पुलिस को मौके पर सुसाइड नोट भी मिली है। जांच जारी है। एक चश्मदीद ने बताया कि वह कार से पास से गुजर रहा था तो एक व्यक्ति संदिग्ध हालत में मिला। यह शख्स प्रवीण मित्तल थे। प्रवीण ने बताया कि उनके परिवार के लोग कार में सो रहे हैं।

चश्मदीद को आशंका हुई तो उसने कार का दरवाजा खोल कर देखा, तो सभी के मुंह से झाग आ रहे थे। इसके बाद प्रवीण ने बताया कि उन्होंने भी जहर खा लिया है और कुछ ही देर में उनकी भी मौत हो जाएगी।

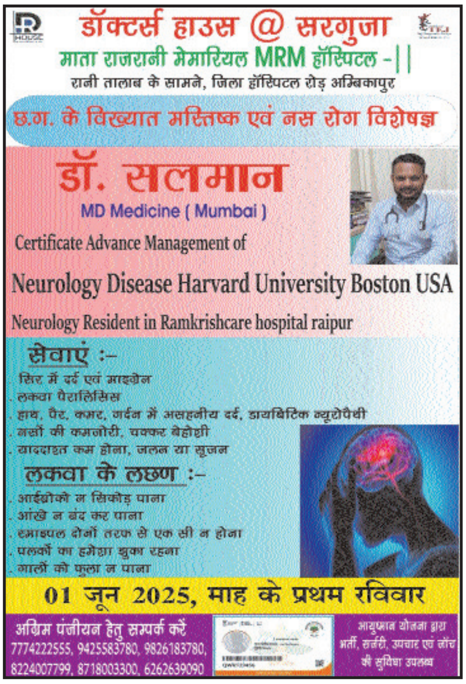

C M Y K

घर के ऊपर गिरी आकाशीय बिजली... एक की मौत, चार झुलसे

मैनपाट (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के शिमला मैनपाट में आज २७ मई को बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से एक की मौत हो गई, जबकि चार लोग झुलस गए। यह घटना ग्राम बरिमा के पाकरीपारा में हुई। बताया जा रहा है कि गाज सांझी लाल माझी ३५ वर्ष के घर पर गिरी। सभी को तत्काल नर्मदा पुर अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने सांझी लाल को मृत घोषित कर दिया। गाज की चपेट में आने से मृतक की पत्नी सधाई ३२ वर्ष, पुत्री बबली ११ वर्ष, अमरीकन ८ वर्ष और मां सुखनी ५५ वर्ष झुलस गई।

पहला कालम

थाना/चौकी में प्रति मंगलवार शुक्रवार जनरल परेड का आयोजन

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा निर्देशन मे प्रति मंगलवार एवं शुक्रवार थाना/चौकियों में जनरल परेड का आयोजन कर पुलिस बल कों अनुशासित रखने एवं पुलिस अधिकारियो/कर्मचारियों के कार्यक्षमता को बढ़ाये जाने के दिशा निर्देश दिए गए है, इसी क्रम मे थाना बतौली एवं थाना कमलेश्वरपुर में आज जनरल परेड का आयोजन किया गया।

थाना प्रभारियों द्वारा जनरल परेड के दौरान अपने अधीनस्थ पुलिस अधिकारियो/कर्मचारियों की वेश भूषा चेक किया गया, पुलिस बल कों ड्यूटी एवं परेड के दौरान साफ सुथरी वर्दी पहनने के दिशा निर्देश दिए गए, साथ ही थाना प्रभारियों द्वारा थाना परिसर मे ही पुलिस अधिकारियो/कर्मचारियों की टोली बनाकर परेड कराया गया, अधिकारियो/कर्मचारियों कों थाना परिसर की साफ सफाई पर ध्यान देने के दिशा निर्देश दिए गए, तत्पश्चात थाना प्रभारियों द्वारा अपने अधीनस्थ अधिकारियो/कर्मचारियों के कर्तव्यों की समीक्षा की गई एवं पुलिस टीम कों आमजनता के हित मे तत्काल अपनी सेवाएं देने के दिशा निर्देश दिए गए।

जनरल परेड के दौरान थाना प्रभारी बतौली उप निरीक्षक सी. पी. तिवारी, थाना कमलेश्वरपुर से उपनिरीक्षक नवल किशोर दुबे एवं थाना मे पदस्थ अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

राहत हो या बचाव हर कदम पर सतत रहे प्रशासनिक टीम

मानसून से पहले सभी आवश्यक तैयारियां करने दिए निर्देश

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक सम्पन्न हुई। कलेक्टर ने बैठक में आगामी मानसून सत्र को देखते हुए जिले में वर्षा के दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि, जलभराव, यातायात बाधा, बाढ़ संभावित क्षेत्रों की पहचान, राहत एवं बचाव सामग्री की उपलब्धता एवं अन्य आपदा की स्थिति से बचने के लिए संबंधित विभागों को सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने खाद-बीज भण्डारण-वितरण, प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति एवं राजस्व प्रकरणों की गहन समीक्षा की।

कलेक्टर श्री कटारा ने आगामी मानसून सत्र को देखते हुए सभी विभागों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में वर्षा के कारण किसी भी प्रकार की जनहानि, संपत्ति की क्षति अथवा आमजन को असुविधा न हो इसके लिए सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। कलेक्टर ने शहर के नालियों और ड्रेनेज की समुचित सफाई सुनिश्चित की करने के निर्देश दिए ताकि वर्षा के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में हर वर्ष जलभराव की समस्याएं आती है, वहां विशेष निगरानी रखी जाए। बैठक में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे संभावित बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों की पहचान करें और पहले से ही आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करें। कलेक्टर ने राहत शिविरों की व्यवस्था, सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता, प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं और खाद्यान्न भंडारण आदि की पूर्व व्यवस्था सुनिष्चित करने को कहा। उन्होंने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सहायता दल सक्रिय रखने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने बारिश में होने वाली मौसमी बीमारियां जैसे डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड आदि की रोकथाम के लिए जागरूकता लाते हुए सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता आमजनों की सुरक्षा और सुविधा है, इसके लिए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि बारिश के मौसम में जिले में सर्पदंश की संभावना बढ़ जाती है इसके लिए सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में एन्टीवेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने खरीफ फसल की तैयारी के मद्देनजर जिले में खाद एवं बीज की उपलब्धता, भंडारण तथा वितरण की व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को समय पर खाद एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि वितरण केन्द्रों पर किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इस बात का विषेष ध्यान रखें। उन्होंने किसानों को जागरूक करने के लिए प्रचार-प्रसार करने की बात कही, जिससे किसान समय पर जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। कलेक्टर ने कहा कि खरीफ सीजन के दौरान किसान बड़े पैमाने पर खाद और बीज की खरीदी करते हैं, ऐसे में बाजार में अमानक उत्पाद आने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने अधिकारियों को लगातार निरीक्षण अभियान चलाकर खाद और बीज दुकानों की जांच करने और यदि कोई अमानक सामग्री बेचता पाया जाए तो उसके विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्रवाई करने के निर्देष दिये। इसके साथ ही किसानों को जागरूक करने हेतु ग्राम स्तर पर प्रचार-प्रसार की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री कटारा ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं पीएमजनमन योजना अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने योजना अंतर्गत पूर्ण एवं प्रगतिरत, लंबित आवासों की जानकारी लेते हुए समय से पूर्ण कर प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों की तहसीलवार विस्तृत समीक्षा करते हुए न्यायालयीन प्रकरण, नामांतरण, सीमांकन सहित अन्य लंबित प्रकरणों का शीघ्र एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर आर.एस. लाल, सहित अनुविभागीय एवं विभागीय अधिकारीगण उपस्थिति रहे।

समाधान शिविर सुखरी एवं सलका में ग्रामीणों को आवेदन के निराकरण की दी गई जानकारी, जनकल्याणकारी योजनाओं से हितग्राही हुए लाभान्वित

अम्बिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल शिविरों में हुए शामिल

उदयपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। सुशासन तिहार के तृतीय चरण अंतर्गत जिले में समाधानृ शिविर का आयोजन ३१ मई तक जारी रहेगा। शिविर के माध्यम से लोगों की समस्याओं के निराकरण के साथ ही शासन की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी सीधे ग्रामीणों तक पहुंच रही है। इसी क्रम में मंगलवार को अम्बिकापुर के ग्राम सुखरी एवं उदयपुर के ग्राम सलका में समाधान शिविर आयोजित हुए। अम्बिकपुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल ने शिविरों में शामिल होकर शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने लोगों को प्रेरित किया और हितग्राहियों को सामग्री वितरण भी किया। उन्होंने विभिन्न विभागों से आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली।

अम्बिकापुर के क्लस्टर सुखरी समाधान शिविर में १३ ग्राम सुखरी, सपना, फतेहपुर, रनपुरकला, बांकीपुर, बकिरमा, थोर, लब्जी, कोल्डीहा, अजिरमा, भगवानपुरखुर्द, ठाकुरपुर, विशुनपुरखुर्द के ग्रामीणजन बड़ी संख्या में शामिल हुए और अपनी विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन भी प्रस्तुत किए। सुशासन तिहार में कुल ३२२६ आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें ३२१७ आवेदनों का निराकरण कर लिया गया है। इसी प्रकार उदयपुर के क्लस्टर सलका समाधान शिविर में १२ ग्राम सलका, पलका, खोडरी, सरगवां, खरसुरा, खोंधला, ललाती, करौन्दी, केशगवा, घुंचापुर, पंडरीपानी, सोनतराई के ग्रामीण शामिल हुए। सुशासन तिहार में कुल ३४६५ आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें ३४५१ आवेदनों का निराकरण कर लिया गया है। शेष आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है।

शिविर में संबंधित विभागों द्वारा मौके पर ही लोगों को संबंधित आवेदनों के निराकरण की जानकारी दी गई। २८ मई को विकासखण्ड लुण्ड्रा के सहनपुर एवं विकासखण्ड मैनपाट के राजापुर, ३० मई को विकासखण्ड लखनपुर के बगदर्री एवं विकासखण्ड उदयपुर के खम्हरिया, ३१ मई को विकासखण्ड सीतापुर के पेटला एवं मैनपाट के नर्मदापुर में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

राष्ट्रीय नेटबॉल प्रतियोगिता में सरगुजा के अमन, नैन्सी व संजना का हुआ छत्तीसगढ़ टीम में चयन

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। ४वीं सब-जूनियर फर्स्ट फाइव व २वीं सब-जूनियर मिक्स नेटबॉल राष्ट्रीय प्रतियोगिता इंदौर मध्यप्रदेश में २८ मई से ३१ मई तक आयोजित किया जा रहा है जिसमें सरगुजा नेटबॉल संघ से तीन खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ टीम में चयन हुआ।

राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया सरगुजा जिला नेटबॉल संघ से बालक वर्ग से अमन ठाकुर एवं बालिका में संजना मिंज, नैन्सी बिंद का चयन हुआ है। खिलाड़ी नियमित रूप से गांधी स्टेडियम के बास्केटबॉल ग्राउंड में अभ्यास करते हैं। सरगुजा नेटबॉल खिलाड़ी लगातार जिले व राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं।

सरगुजा जिला से चयनित तीनों खिलाड़ियों को नेटबॉल संघ के सचिव रजत सिंह, सौरभ सिन्हा, गौरव सिंह, के.पी सिंह, खुशबु गुप्ता के साथ जिला नेटबाल संघ परिवार व सरगुजा जिला बास्केटबाल संघ परिवार ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

फर्जी वन अधिकार पत्र पर रामेश्वरपुर के ग्रामीणों ने की शिकायत

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जनपद पंचायत सुरजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत रामेश्वरपुर इन दिनों में फर्जी वन अधिकार पत्रों को लेकर ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिल रहा है। कलेक्टर जनदर्शन में ग्रामीणों ने एकजुट होकर हुंकार भरते हुए आवेदन सौंप कार्यवाही की मांग की है। कलेक्टर जनदर्शन में ग्रामीणों द्वारा दिए गए ज्ञापन में १३ व्यक्तियों पर फर्जी तरीके से वन अधिकार पत्र हासिल करने का गंभीर आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने सीधे तौर पर चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर जांच शुरू कर दोषियों पर आपराधिक मामला दर्ज नहीं हुआ, तो वे प्रतापपुर-अंबिकापुर मार्ग पर चक्काजाम कर धरना-प्रदर्शन करेंगे। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम रामेश्वरपुर में कम्पार्टमेंट पीएफ २५५८ की प्राकृतिक वन संपदा को योजनाबद्ध तरीके से नुकसान पहुंचाया गया है। कई ऐसे नाम सामने आए हैं जिन्हें पहले वन विभाग अपराधी करार देकर जेल भेज चुका है। बावजूद इसके उन्हें फर्जी तरीके से वन अधिकार पत्र कैसे जारी कर दिए गए, यह बड़ा सवाल है।ग्राम पंचायत छत्तरपुर के आश्रित ग्राम रामेश्वरपुर में पहले रतन राम और शुबलाल को ही पात्र मानकर पट्टा दिया गया था। मगर ग्रामीणों का दावा है कि अपात्र घोषित किए गए १३ लोगों को भी कागजों की जादूगरी से वन अधिकार पत्र थमा दिए गए। ग्रामीणों ने कलेक्टर को आवेदन के साथ पूरी सूची की छायाप्रति सौंपते हुए स्पष्ट किया है कि अगर दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो चक्का जाम और धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में वन अधिकार समिति अध्यक्ष रामऔतार, सरपंच लालसाय चेरवा, उपसरपंच देवमती, पूर्व सरपंच गुलाब चेरवा व अन्य उपस्थित थे।

शासकीय भूमि पर कब्जा कर भवन निर्माण तहसीलदार ने जारी किया नोटिस

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। लटोरी तहसीलदार ने रवींद्रनगर स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर २४०,२४२ रकबा ०.३५,०.८९ हेक्टेयर भूमि पर कब्जा कर पक्का भवन निर्माण कर रहे व खसरा नंबर २४१,३०७ के रकबा ०.१४ व०.४९ में कृषि कार्य कर रहे सुबल देवनाथ आ स्व हारेन सिकदार व दुलाल देवनाथ आ गौर मोहन देवनाथ निवासी रवींद्रनगर थाना जयनगर तहसील लटोरी को नोटिस जारी कर निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से रोकने के निर्देश दिए हैं।बताया गया कि आवेदक समीर सिकदार द्वारा मामले की शिकायत लटोरी तहसीलदार से कर कार्यवाही की मांग की थी जिसके बाद तहसीलदार ने पटवारी को मौके पर भेज जांच कराई।पटवारी के जांच प्रतिवेदन के आधार पर दोनों अवैध कब्जाधारी सुबल और देवनाथ को नोटिस जारी कर पक्का भवन निर्माण कार्य को अविलंब रोक लगा मौके पर यथा स्थिति बनाए रखने स्थगन आदेश जारी किया है।साथ ही वाद के निराकरण के लिए अपने न्यायालय में प्रकरण आरंभ किया है।

किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीक से जोड़ने, किसानों की आमदनी बढ़ाने विकसित कृषि संकल्प अभियान की होगी शुरूआत

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। कृषि विभाग के उप संचालक श्री पी.एस. दीवान ने बताया कि किसानों की आमदनी बढ़ाने जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान २९ मई से १२ जून तक चलाया जाएगा। इसृदौरान जिले में कुल ७८ शिविर लगाए जाएंगे, जिसमें विकासखण्ड अंबिकापुर में कुल १६ शिविर, विकासखण्ड बतौली में कुल ८ शिविर, विकासखण्ड लखनपुर में कुल १२ शिविर, विकासखण्ड लुण्ड्रा में कुल १० शिविर , विकासखण्ड मैनपाट में कुल ८ शिविर, विकासखण्ड सीतापुर में कुल १० शिविर, विकासखण्ड उदयपुर में कुल १४ शिविर आयोजित होंगे। उन्होंने बताया कि संचालनालय द्वारा राज्य के सभी जिलों में जिलों के कृषि एवं समवर्गीय विभागों के अधिकारी के संयुक्त बैठक में दिए गए निर्देश अनुसार यह अभियान चलाया जाएगा। अभियान खरीफ मौसम के पूर्व तैयारी को सशक्त बनाने, किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीक से जोड़ने और नवाचारों को पहचान कर अनुसंधान की दिशा तय करने शुरू किया गया है। सरगुजा जिले में इस अभियान के संचालन के लिए उद्यान, पशुपालन, मछली पालन के जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी एवं कृषि महाविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों की तीन टीम बनाई गई है। प्रत्येक टीम प्रतिदिन दो पंचायत में पहुंचेंगे एवं कृषकों को कृषि में आने वाली समस्याओं का समाधान करेगें एवं कृषि की आधुनिक तकनीकी से अवगत कराएंगे।

मछुआ सहकारी समितियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

अम्बिकापुर । छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री भरत मटियारा की अध्यक्षता में विभाग के अधिकारियों एवं मछुआ सहकारी समितियों की समीक्षा बैठक रविवार को सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम मछली पालन विभाग के अधिकारी द्वारा विभाग का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। बैठक में मछली पालन से आय दुगुनी करने हेतु जलाशयों में सही मात्रा में मत्स्य बीज संचय करने, समिति के प्रत्येक सदस्य का किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने तथा प्रत्येक वर्ष आडिट कराने हेतु विस्तारपूर्वक चूर्चा की गई। इस दौरान अध्यक्ष श्री मटियारा द्वारा मछुआ सहकारी समितियों के द्वारा मांग तथा समस्याओं के संबंध में जानकारी ली गई।

नपा अध्यक्ष की पहल पर शिव चर्चा सेड में लगवाया गया वाटर कूलर

रामानुजगंज(अम्बिकावाणी समाचार)। रिंग रोड में स्थापित शिव चर्चा सेड में प्रत्येक शनिवार को होने वाले शिव चर्चा में स्थानीय सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में शिव शिष्य परिवार के लोग एकत्रित होकर शिव चर्चा में भाग लेते है। जहां भीषण गर्मी में पानी के लिए वाटर कूलर की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। इस बीच नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल के द्वारा पहल करते हुए यहां वाटर कूलर लगवाया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि शिव शिष्य परिवार ने मुझे सेवा का मौका दिया आप लोगों की जो भी हो आवश्यकता होगी उसे पूरा करने का भरपूर प्रयास करता रहूंगा। शिव कार्य समिति के जिला अध्यक्ष पंचम कुशवाहा ने कहा कि जब-जब हम लोगों ने नगरपालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल से शिव शिष्य परिवार के लिए जो भी मांग की है वह उसको पूरा किए है। भविष्य में भी उनसे उम्मीद है कि हम शिव भक्तों की आवश्यकताओं पर जरूर ध्यान देंगे।

इस दौरान शिव कार्य समिति के जिला कोषाध्यक्ष मनोज यादव, कृष्ण सिंह, करण कश्यप, अनूप कश्यप, ललिता कश्यप, अमृता देवी, आशा देवी, किरण देवी, सरिता देवी सहित हजारों शिव शिष्य परिवार के लोग उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस रेलवे सभी प्रमुख स्टेशनों पर चला रही विशेष स्वच्छता जागरूकता अभियान

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। बिलासपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान २०२५ (२२ मई से ५ जून) के अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर पर्यावरण संरक्षण हेतु जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रत्येक दिनों थीम के अनुसार जागरूकता, संवाद, और व्यवहार परिवर्तन पर केंद्रित गतिविधियाँ आयोजित की जा रही है।

इसी क्रम में दिनांक २५, २६ व २७ मई २०२५ को स्वच्छ भारत अभियान को सशक्त बनाने एवं यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मंडल के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत वाणिज्य विभाग व चिकित्सा विभाग के पर्यवेक्षकों द्वारा प्लेटफार्मों पर सूखा कचरा और गीला कचरा एकत्र करने के लिए अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान किया गया । साथ ही यात्रियों को डस्टबिन का सही उपयोग करने एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया 7 प्लास्टिक के स्थान पर पर्यावरण अनुकूल वस्तुओं का प्रयोग करने तथा खाद्य विक्रेताओं को प्लास्टिक के स्थान पर इको-फ्रेंडली कटलरी उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

इसके साथ ही साथ स्वच्छता अभियान एवं सामुदायिक भागीदारी हेतु रेलवे स्टेशन एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई हेतु विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें स्थानीय समुदायों, सामाजिक संगठनों एवं एनजीओ की भागीदारी सुनिश्चित की गई।

छोटी खबरें

कोरबा में 78 कृषि शिविरों का आयोजन, 29 मई से 12 जून तक चलेगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

कोरबा अम्बिकावाणी - किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और खरीफ सीजन की पूर्व तैयारी को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निर्देश पर २९ मई से १२ जून २०२५ तक विकसित कृषि संकल्प अभियान₹ के अंतर्गत राज्यभर में विशेष कृषि जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में कोरबा जिले में भी कुल ७८ कृषि शिविर लगाए जाएंगे। जिला कृषि उपसंचालक डी.पी.एस. कंवर ने बताया कि कोरबा जिले के विकासखंडों में शिविरों का वितरण इस प्रकार किया गया है—कोरबा में १४, करतला में १२, कटघोरा में १२, पाली में १८ तथा पोड़ी-उपरोड़ा में २२ शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, फसल विविधिकरण और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

वैज्ञानिक होंगे मार्गदर्शक- कलेक्टर के निर्देशन में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछलीपालन विभागों के साथ कृषि विज्ञान केंद्र और कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिकों की तीन टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें प्रतिदिन दो ग्राम पंचायतों में पहुंचकर कृषकों के साथ वैज्ञानिक परिचचाएं करेंगी। कृषक पाठशाला के माध्यम से किसान मिट्टी परीक्षण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, धान की सीधी बुआई, प्राकृतिक खेती, फसल चक्र, ड्रोन तकनीक, नई बीज किस्मों और कीटनाशकों व उर्वरकों के संतुलित उपयोग जैसी जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे।

योजनाओं से जुड़ेंगे किसान- शिविरों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, बीज और उर्वरक वितरण, पोर्टल आधारित लाभों की जानकारी भी साझा की जाएगी। इसके साथ ही पशु चिकित्सा सेवाओं और विभिन्न सब्सिडी योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

प्रगतिशील किसान होंगे प्रेरणास्त्रोत- इन जागरूकता शिविरों में प्रगतिशील किसानों को भी आमंत्रित किया जाएगा, जो अपने अनुभव और नवाचारों को साझा कर अन्य किसानों को प्रेरित करेंगे। इसका उद्देश्य न केवल किसानों को तकनीकी रूप से मजबूत बनाना है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और वैज्ञानिक सोच को भी बढ़ावा देना है। विकसित कृषि संकल्प अभियान जिले के किसानों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक सिद्ध होगा, बल्कि यह उनकी कृषि कार्यशैली में सकारात्मक परिवर्तन लाने में भी सहायक साबित होगा।

राखड़ डंप से खतरे में बच्चों का भविष्य - मड़वारानी में स्कूल परिसर में घुसा पानी, पर्यावरण विभाग से भी नहीं रुकी मनमानी

कोरबा अम्बिकावाणी - गरीब ग्रामीण बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने के उद्देश्य से मड़वारानी के पास स्थित खरहरकुड़ा में स्थापित नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल पिछले ८ वर्षों से बच्चों का भविष्य संवार रहा है। लेकिन अब यही स्कूल एक गंभीर पर्यावरणीय लापरवाही की चपेट में आता जा रहा है, जिससे सैकड़ों बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षा दोनों पर खतरा मंडराने लगा है। विद्यालय परिसर से महज कुछ दूरी पर, प्रतिबंधित १०० मीटर दायरे में एक राइस मिलर ने सैकड़ों टन राखड़ का अवैध डंपिंग कर डाली है। इसका सीधा असर विद्यालय की जल निकासी व्यवस्था पर पड़ा है। हाल ही में हुई एक घंटे की बारिश ने स्कूल परिसर को पानी से लबालब कर दिया, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि बारिश के पूरे सीजन में विद्यालय डूबने की स्थिति में आ सकता है।

बंद हो गया जल निकासी का मार्ग, लाखों की लागत पर बना रास्ता भी राख में मिला

विद्यालय के डायरेक्टर पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने पर्यावरण संरक्षण विभाग और जिला प्रशासन को पहले ही इस संबंध में सूचित किया था। उन्होंने बताया कि जल निकासी के लिए उन्होंने निजी खर्च से लाखों रुपये की लागत से नाली और मार्ग तैयार कराया था, लेकिन राइस मिलर ने उसे भी राखड़ से पाट दिया। हालांकि कलेक्टर के निर्देश पर पर्यावरण विभाग ने एक बार कार्रवाई करते हुए डंपिंग बंद कराई थी, लेकिन कुछ समय बाद ही मीलर की मनमानी फिर शुरू हो गई। इससे विद्यालय में बच्चों की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लग गया है।

विद्यालय खुलने वाला है, बच्चों को हो सकती है भारी परेशानी

कुछ ही दिनों में विद्यालय सत्र शुरू होने वाला है, और यदि इसी तरह बारिश होती रही, तो न केवल स्कूल की गतिविधियां प्रभावित होंगी, बल्कि बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य भी संकट में आ सकता है। जलजमाव से बीमारियों का खतरा, कक्षाओं में अवरोध और मानसिक तनाव जैसे गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

प्रशासन से की गई पुनः सख्त कार्रवाई की मांग

डॉ. अग्रवाल ने पर्यावरण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी श्री पांडेय और कलेक्टर से पुनः अपील की है कि राइस मिलर की अवैध डंपिंग पर तत्काल प्रभाव से सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में बच्चों को किसी भी तरह की परेशानी न हो।

रात के सन्नाटे में घर में घुसा जहरीला सांप, कमरे में फंसी महिला - वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित बचाया

कोरबा अम्बिकावाणी - रजगामार क्षेत्र की ओमपुर बस्ती में सोमवार रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक जहरीला अहिराज सांप एक घर में घुस आया। यह घटना रात लगभग ९ बजे की है, जब सूरज कुमार का परिवार सोने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान सांप चुपचाप घर के दरवाजे के पास आकर बैठ गया, जिससे सूरज की मां कमरे के अंदर ही फंस गईं और बाहर निकलना असंभव हो गया। परिवार की तत्परता और सूझबूझ ने बड़ा हादसा टाल दिया। महिला डंडा लेकर कोने में खड़ी रहीं, वहीं सूरज कुमार और पड़ोसियों ने तुरंत वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम के प्रमुख जितेंद्र सारथी को सूचना दी। सारथी अपनी टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और पूरी सतर्कता के साथ सांप को रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। घटना के बाद पूरे मोहल्ले में राहत का माहौल बना रहा और लोगों ने जितेंद्र सारथी एवं उनकी टीम की तत्परता के लिए आभार प्रकट किया।

मौसम बदलाव से बढ़ रही सांपों की सक्रियता, रहें सतर्क- वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम के प्रमुख जितेंद्र सारथी ने बताया कि तापमान में उतार-चढ़ाव और मौसम परिवर्तन के कारण इन दिनों सांपों की गतिविधि तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि सांप दिखने पर उसे मारने की बजाय तत्काल हेल्पलाइन नंबर ८८१७५३४४५५ पर संपर्क करें। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अधिकतर रेस्क्यू कॉल रात के समय मिल रहे हैं, ऐसे में उनकी टीम हर समय सतर्कता के साथ तैयार रहती है ताकि किसी भी आपात स्थिति में मदद पहुंचाई जा सके।

सावधानी ही सुरक्षा है - इन बातों का रखें विशेष ध्यान- सांप दिखने पर घबराएं नहीं, तुरंत विशेषज्ञों को सूचना दें। छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित स्थान पर रखें।ठ्ठरात में घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छी तरह बंद रखें। फर्श पर सोने से बचें, विशेषकर बरसात और गर्मी के मौसम में। रसोई और बाथरूम जैसे नम स्थानों में अतिरिक्त सतर्कता बरतें।

सरकारी योजना से संवरी मासूम की जिंदगी- क्लबफुट से जूझ रहे शिवांशु को मिली नई राह, अब दौड़ रहा है खुशी से

कोरबा अम्बिकावाणी - किसी ने सही कहा है—सरकारी योजनाएं जब समय पर और सच्चे मन से लागू हों, तो जीवन संवर जाता है। ऐसा ही हुआ कोरबा जिले के पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के ब्राम्हणपारा गांव के दो वर्षीय मासूम शिवांशु पोर्ते के साथ, जो जन्म से ही क्लबफुट नामक शारीरिक विकृति से पीड़ित था। चलने-फिरने में असमर्थ शिवांशु के माता-पिता इलाज को लेकर बेहद चिंतित थे, लेकिन आर्थिक सीमाएं उन्हें रोक रही थीं।

इसी दौरान मई २०२३ में ग्राम के आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की चिरायु टीम क्रमांक-३ के शिविर में उसकी स्थिति की पहचान हुई। टीम ने तुरंत उसे चिरायु योजना के अंतर्गत कोरबा मेडिकल कॉलेज भेजा, जहां उसे निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया गया। मेडिकल कॉलेज के हड्डी रोग विशेषज्ञों ने टेनोटॉमी नामक शल्य चिकित्सा की, जिसके बाद शिवांशु के पैर में चार बार प्लास्टर किया गया। इलाज के हिस्से के रूप में विशेष जूते भी दिए गए, जिससे उपचार स्थायी बन सके। आज शिवांशु न केवल चल रहा है, बल्कि दौड़ भी रहा है—बिलकुल सामान्य बच्चों की तरह। उसकी मां संतोषी प्रधान ने कहा, ₹हमने उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन चिरायु योजना ने हमारे बच्चे को नया जीवन दिया है। हम सभी का धन्यवाद करते हैं।

यह घटना न केवल चिकित्सा विज्ञान की उपलब्धि है, बल्कि यह दिखाती है कि जब सरकारी योजनाएं जमीनी स्तर तक पहुँचती हैं, तो वे किसी की दुनिया बदल सकती हैं।

बालको ने जैव विविधता दिवस पर वन्यजीव संरक्षण जागरूकता का चलाया अभियान

कोरबा अम्बिकावाणी - वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर द एनिमल केयर ऑर्गेनाईजेशन (टाको) के सहयोग से आस-पास के गांवों में जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष की थीम च्प्रकृति के साथ सौहार्द और सतत विकासज् के अनुरूप इन कार्यक्रमों का उद्देश्य समुदाय को वन्यजीव व्यवहार, संघर्ष निवारण और जैव विविधता संरक्षण के प्रति जागरूक तथा प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व की भावना को प्रोत्साहित करना था। कोरबा के वन क्षेत्रों में पाए जाने वाले स्लॉथ बियर (भालू की एक प्रजाति) के संरक्षण पर केंद्रित सत्र का आयोजन किया गया। जानवरों के व्यवहार को समझाकर मानव तथा वन्यजीव संघर्ष को कम करने के तरीकों को साझा किया गया, जिसमें ३०० से अधिक सदस्यों एवं स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से व्यावहारिक परिदृश्य को दर्शाते हुए लोगों को वन्यजीव संरक्षण हेतु संवेदनशील और सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कहानी और क्विज के माध्यम से पारिस्थितिकी तंत्र बनाए रखने और स्थानीय वन्यजीवों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में जिला वन और पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे, जिन्होंने स्थानीय जैव विविधता पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की और वन-आश्रित क्षेत्रों के निवासियों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी को प्रोत्साहित किया। इस पहल को स्थानीय पंचायत सदस्यों, पर्यावरणविदों और एनजीओ का भी सहयोग मिला। जैव विविधता संरक्षण के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के तहत बालको ने सोशल रिवाइवल ग्रुप ऑफ अर्बन, रूरल एंड ट्राइबल (श्रोत) के साथ साझेदारी में कई कार्यक्रम आयोजित किये हैं। इनमें नियमित सामुदायिक स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और पशु कल्याण शामिल हैं, जिसका उद्देश्य स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र को पुनर्स्थापित करने और बनाए रखने में समुदाय-आधारित प्रयासों को प्रोत्साहित करना है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको में हमारा मानना है कि वास्तविक प्रगति औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के संतुलन में निहित है। अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर हमारी सामुदायिक भागीदारी की पहल हमारे इस संकल्प को मजबूत करती हैं कि हम स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करें और वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व को बढ़ावा दें। हम च्शून्य हानि, सतत विकास और राष्ट्र निर्माण के दृष्टिकोण के साथ अपने प्रयासों को आगे बढ़ा रहे हैं। पर्यावरणविद् दिनेश दीक्षित ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि जंगल से लगे क्षेत्रों में जैव विविधता के संरक्षण में समुदाय की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। बालको जैसी पहल सराहनीय हैं क्योंकि ये वैज्ञानिक जागरूकता और स्थानीय कार्यवाही के बीच सेतु का काम करती हैं।

गांव के निवासी मंगल सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जानवरों के प्राकृतिक व्यवहार को समझना संघर्ष रोकने में सहायक होता है। सुबह जल्दी या रात के समय (जो वन्यजीवों की गतिविधि के मुख्य समय है) आवाजाही कम करने पर मानव तथा वन्य जीव टकराव की संभावना कम हो जाती है। बालको द्वारा यह जानकारी साझा करने के लिए मैं उनका आभारी हूं।

बालको, जैव विविधता और पशु कल्याण को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है इनमें ३,००० से अधिक पशुओं को सड़क दुर्घटनाओं से बचाने के लिए रिफ्लेक्टिव कॉलर का वितरण, २,५०० से अधिक पशुओं के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, ३०० से अधिक कुत्तों का रेबीज टीकाकरण तथा गर्मियों में पशुओं के लिए वॉटर बॉउल चैलेंज के अंतर्गत जल पात्र की व्यवस्था शामिल हैं। ये सभी कदम स्थानीय पारिस्थितिकी संतुलन और मानवीय सह-अस्तित्व को मजबूत करते हैं। टाको अप्रैल २०२२ में शुरू हुआ द एनिमल केयर ऑर्गनाइजेशन (टाको), वेदांता लिमिटेड की प्रमुख पशु कल्याण पहल है, जिसका उद्देश्य आवारा और सामुदायिक पशुओं के लिए समग्र देखभाल प्रदान करना है। यह संगठन बचाव, पुनर्वास, रोकथाम, वृद्ध पशु देखभाल और निःशुल्क ओपीडी सेवाएं प्रदान करता है। इसके तहत एक सुपर स्पेशियलिटी वेटरनरी हॉस्पिटल भी संचालित किया जाता है। बालको सहित वेदांता लिमिटेड की सभी यूनिट्स में टाको के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

संघर्ष करने वालों को सफलता जरूर मिलती है, मेहनत कर जिले का नाम रौशन करे विद्यार्थी- मंत्री देवांगन

रायपुर। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं अन्य अतिथियों की उपस्थिति में आज कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष कोरबा में जिले के मेधावी विद्यार्थियों हेतु जेईई, नीट की निःशुल्क प्रशिक्षण हेतु बस से रवाना किया गया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए निरंतर कड़ी मेहनत कर लक्ष्य प्राप्त करने की शुभकामनाएं दी। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि जो व्यक्ति संघर्ष करता है, उन्हें सफलता जरूर मिलती है। हम सभी मन लगाकर अच्छे से पढ़ाई करें और सफल होकर मुकाम हासिल करते हुए अपने माता-पिता, जिले का नाम रौशन करें। उत्कृष्ट अंक हासिल करने वाले दसवी के 100 तथा बारहवी बोर्ड के 50 विद्यार्थियों को राजधानी रायपुर में कोंचग के लिए भेजा गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कलेक्टर के दिशा निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा सराहनीय पहल करते हुए यहां के प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए राजधानी में जेईई, नीट कोचिंग की व्यवस्था की गई है। विगत वर्ष भी 100 विद्यार्थियों को रायपुर भेजा गया है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रशासन द्वारा निरंतर विकास कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा उत्खनन वाले जिले में ही डाएमएफ की राशि को खर्च किए जाने का प्रावधान करने के बाद इस राशि का सदुपयोग जिले के विकास कार्यों और शिक्षा, स्वास्थ्य में हो रहा है। उन्होंने कहा कि खनिज प्रभावित जिलो में शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य क्षेत्रों में विकास हेतु सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जिले के 100 मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडिकल इंजीनियरिंग जैसे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की जेईई, नीट जैसी प्रवेश परीक्षा की निःशुल्क तैयारी हेतु व्यवस्था की गई है। यह आप सभी के लिए सुनहरा अवसर है। इस अवसर का लाभ उठाएं, आप सभी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े, कार्ययोजना बनाकर परीक्षा की तैयारी करें, सफलता जरूर मिलेगी। मंत्री ने डीएमएफ की राशि से स्कूल में नाश्ता, शिक्षकों की व्यवस्था, जर्जर स्कूल भवनों का जीर्णोद्धार, नवीन भवन निर्माण होने की बात कहते हुए जिला प्रशासन की पहल की सराहना की। विधायक कटघोरा श्री पटेल ने बच्चों के बेहतर शिक्षा हेतु चलाए जा रहे जिला प्रशासन के इस पहल का सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन का मूल आधार है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपना लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ? एवं कड़ी मेहनत से अपने मंजिल को हासिल करने की शुभकामनाएं दी। महापौर श्रीमती राजपूत ने कहा कि आप सभी के बेहतर भविष्य के लिए आपके परिजन सहित जिला प्रशासन द्वारा सपना देखा गया है। उसे पूरा करने की शत प्रतिशत जिम्मेदारी आपकी है। इस हेतु आने वाले चुनौतियों के लिए खुद को अभी से तैयार करें।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-........../अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती नीरजा सिंह पत्नि अतुल सिंह, उम्र- 50 वर्ष, जाति क्षत्रिय निवासी बाबूपारा, अम्बिकापुर के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के द्वारा अनावेदक मो० सलीम आ० मो० हनीफ, उम्र- 69 वर्ष जाति- मुसलमान, निवासी जेलरोड बाबूपारा, अम्बिकापुर के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं. 09 मोहल्ला-बाबूपारा स्थित नजूल प्लॉट नं० 3528/30 में से रकबा 4791.6 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 25.03.2025 के माध्यम से क्रय किया गया है।

अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में आवेदक द्वारा स्वंय का नाम दर्ज कराने हेतु विक्रय पत्र की छायाप्रति. मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06/06/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/05/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

राजस्व अपील प्रकरण क्रमांक 20221102100002/03/अ-6/2022-2023

//ईश्तहार/सूचना पत्र//

अपीलार्थीगण मिथलेश गोस्वामी आ० स्व० रामचन्द्र गोस्वामी उम्र 50 वर्ष व अन्य 1 निवासी ग्राम गुमगराकला थाना व तहसील लखनपुर जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर के रा.प्र.क्र. 02/अ-6/2020-21 (पक्षकार मिथलेश गोस्वामी व अन्य प्रति रजनीश गोस्वामी व अन्य) में पारित आदेश दिनांक 21.10.2022 से क्षुब्ध होकर छ.ग.भू.राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 के तहत इस न्यायालय मे अपील प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान मे उक्त प्रकरण उत्तरवादीगण (1) रजनीश गोस्वामी आ०स्व० रामचन्द्र गोस्वामी उम्र-47 वर्ष (2) रितेश गोस्वामी आ० स्व० रामचन्द्र गोस्वामी उम्र- 45 वर्ष (3) श्रीमती मृदुला गोस्वामी बेवा स्व० रामचन्द्र गोस्वामी उम्र- 65 वर्ष उक्त सभी निवासी केदारपुर, गुरूनानक वार्ड क्रमांक-27 केदारपुर, चर्च के बगल में अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० (4) श्रीमती रेखा गोस्वामी पुत्री स्व० रामचन्द्र गोस्वामी पत्नी महेश गोस्वामी आयु लगभग 48 वर्ष निवासी हवाई पट्टी रोड, थाना के पास म्योरपुर, थाना-म्योरपुर, जिला सोनभद्र (उ०प्र०) के इस न्यायालय मे उपस्थिति के लिये प्रकरण दिनांक 16.06.2025 को नियत है।

अतः सभी उत्तरवादीगण को सूचित किया जाता है कि वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक 16.06.2025 को इस न्यायालय में दिन के 11.00 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने पर उत्तरवादीगण के विरूद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 21/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अपर कलेक्टर
जिला सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-........./अ-6-अ/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेन्द्र प्रसाद सोनी आ० गणेश सोनी निवासी ब्रम्ह रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा मोहल्ला सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित प्लाट नम्बर 830/37 रकबा 0.009,1/2 एकड़ भूमि का त्रुटिवश रकबा 0.09,1/2 एकड़ दर्ज हो जाने के कारण सही रकबा 0.009,1/2 एकड़ दर्ज कराने हेतु आवेदन मय मेंटनेन्स खसरा, आदेश की छाया प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06/06/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

अम्बिकावाणी

रायपुर, बुधवार 28 मई, 2025

सम्पादकीय

अगर मुझे अंधेरे से बहुत डर लगता है तो अपनी आंखें बन्द कर लेना समझदारी नहीं है।

0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

मोबाइल उपभोक्ताओं को कॉल कनेक्ट में समस्या

कॉल करने में दिक्कत के अलावा अचानक फोन कटने की भी शिकायतें आम हैं। जिससे उपभोक्ताओं को बार-बार डेटा/वाई-फाई कॉल यानी व्हाट्सएप, फेसटाइम या स्काइप करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। डाटा फॉर इंडिया के मुताबिक बीते साल ही भारत में हर सौ लोगों पर 81 मोबाइल कनेक्शन हो चुके हैं। हालांकि इसमें कई लोगों के पास दो से ज्यादा कनेक्शन भी हो सकते हैं। फिर भी अंदाजन इस वक्त 84त्न से अधिक भारतीयों के पास मोबाइल कनेक्शन है, जिसमें स्मार्ट फोन उपभोक्ताओं की संख्या 2026 में सौ करोड़ पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। इंटरनेट के प्रयोग और रोजमर्रा में फोन की आवश्यकता ने नौजवानों को मोबाइल कनेक्शन के प्रति बेहद आकृष्ट किया है। आंकड़ों के अनुसार दुनिया के शीर्ष दस दस विकसित देशों की तीन चौथाई आबादी के हाथ में स्मार्टफोन है। बावजूद इसके कंपनियां उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देने में बुरी तरह नाकाम हैं। इसके लिए सरकार का लापरवाह रवैया भी कम दोषी नहीं कहा जा सकता। उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम होने के बावजूद कंपनियों द्वारा लगातार उनकी उपेक्षा की जाती है। फोन कनेक्शन बढ़ने से उत्साहित टेलीकंपनियों को अपनी सेवाओं को लेकर सतर्क और जवाबदेह बनना होगा। किसी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान के उत्तरदायित्वों के निर्वहन में होने वाली कोताही के प्रति सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। यदि फोन कंपनियों का इन्फ्रास्ट्रक्चर यह भार सहन करने में सक्षम नहीं है तो वे नये कनेक्शन तब तक देने में हाथ सिकोड़ सकती हैं। जब तक उनका सिस्टम सटीक नहीं हो जाता। जब तारों द्वारा जोड़े जाने वाले लैंड लाइन होते थे, तब लाइन्स सीमित होने के कारण व्यस्त समय में उपभोक्ताओं को सभी लाइनें व्यस्त हैं, जैसी सूचना देने की सुविधाएं थीं। अब तमाम तकनीकी सुविधाओं और मोटी रकम चुकाने वाले उपभोक्ता को फोन कंपनियों की यह जानबूझकर की जा रही लापरवाही क्यों बर्दाश्त करनी पड़ रही है। सरकार और दूरसंचार मंत्रालय को इस पर कड़े कदम उठाने होंगे।

लोकल सर्किल्स के सर्वेक्षण से पता चला है कि 89त्न मोबाइल उपभोक्ताओं को कॉल कनेक्ट होने में समस्या हो रही है। इनमें से 40त्न ने अक्सर ऐसी स्थिति का सामना करने की बात की। देश के 342 जिलों के रहवासियों से सव्रेक्षण में छप्पन हजार से अधिक प्रतिक्रियाएं ली गई।

आतंक की बर्बर हिंसक गतिविधियों से कई देश पीड़ित

अखिलेश आर्येन्दु

दुनिया में सबसे विकट, गंभीर और बर्बरता का पर्याय आतंकवाद वर्षो से मानवता का विध्वंसक बना हुआ है। आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक स्तर पर इससे अत्यंत गंभीर समस्याएं पैदा हुई हैं। अमेरिका, अफ्रीका, रूस, फ्रांस, जर्मन, जापान जैसे विकसित देश तो आतंक की बर्बर हिंसक गतिविधियों से पीड़ित हैं ही, तकरीबन सभी एशियाई मुल्क, जिनमें भारत सबसे ज्यादा प्रभावित है, भी इससे त्रस्त हैं।

भारत आंतरिक और विदेशी (बाह्य) आतंकवाद, दोनों से गंभीर रूप से पीड़ित है। भारत में आतंकवाद के कई कारण और रूप हैं, जिनमें राजनीतिक कारण सबसे अहम है, जिसमें अलगाववादी आंदोलन, जातीय संघर्ष, सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव और पड़ोसी देश द्वारा सीमा से आतंकवादियों की घुसपैठ करा कर आतंकवाद फैलाना शामिल हैं। धर्म या मजहब के नाम पर भी कट्टरपंथी सोच और हिंसा भी आतंकवाद का महत्त्वपूर्ण कारण है। वैचारिक मतभेद, हिंसा द्वारा विचारधारा को फैलाने के हथियार के रूप में इसका इस्तेमाल आम है। सामाजिक-आर्थिक असमानता भी आतंकवाद की वजह रही है जैसे नक्सलबाड़ी से जन्मा वामपंथी नक्सलवाद जो बाद में हथियारबंद तथाकथित आंदोलन बन गया।

पिछले चार दशकों से भारत में अनेक दुर्दांत आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। ग्यारह राज्यों में दशकों से वामपंथी नक्सलवाद हिंसक गतिविधियां चलाता रहा है, जिसमें हजारों लोग और पुलिस बल (सेना के जवान भी) शिकार हुए हैं। सामाजिक विभाजन को बढ़ावा देने वाले और धर्म व मजहब के नाम पर हिंसा करने वाले अपनी बात जबरन मनवाने वाले संगठन भारत में अराजकता फैलाने का काम करते रहे हैं। कुछ राज्यों में आतंकवाद की वजह से उद्योग, पर्यटन और दूसरे तमाम क्षेत्रों में रोजगार में कमी आई है। इससे शासन और सरकार की स्थिरता पर भी गहरा असर रहा है साथ में, देश भर में अराजकता का माहौल पैदा करने की इनकी कोशिश जगजाहिर है।

यह देशों के बीच संघर्ष और तनाव पैदा करने का काम भी करता है। भारत में 2014 के पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल की सीमा से आतंकवादी घुसपैठ करते थे और बड़े पैमाने पर भारत में तकरीबन सभी राज्यों में बम विस्फोट और हिंसा की बर्बर घटनाएं आये दिन होती थीं, जिससे बड़ी तादाद में जान-माल का नुकसान होता था। कहना न होगा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद कानून व्यवस्था हर तरह से चाक-चौबंद की गई और आतंकवादी घटनाओं पर कुछ ही महीने में काबू पा लिया गया लेकिन जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादियों की घुसपैठ पूरी तरह खत्म नहीं हुई। इसी दौरान धारा 370 खत्म की गई और जम्मू-कश्मीर को पुनर्गठित कर तीन केंद्रशासित प्रदेशों कश्मीर, जम्मू और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया।

केंद्र सरकार के पिछले दस वर्ष आजादी के इतिहास में कई विकट समस्याओं के समाधान करने वाले रहे हैं। यह सरकार की नीतियों में आमूलचूल बदलाव से ही संभव हुआ है। विदेश नीति के मामले निर्गुट नीति की जगह 'सर्वगुटइ नीति को अपनाया गया। गौरतलब है कि 1947 से 2013 तक भारत की विदेश नीति निर्गुट, समझौतावादी और हिंसा का जवाब अहिंसा से देने की रही। यही वजह है कि पिछले चार दशकों से अधिक समय से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और घुसपैठ की घटनाएं भारत में लगातार जारी रहीं। पानी की तरह पैसा बहा कर भी धारा 370 के लागू रहने की वजह से केंद्र का यहां सीमित हस्तक्षेप था, जिसकी वजह से आतंकवाद लगातार फूलता-फलता रहा। जाहिर तौर पर पिछले कई दशकों से आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गया है। यूं तो भारत में आतंकवादी गतिविधियां 50 के दशक में ही बड़े पैमाने पर चालू हो गई थीं।

विश्व भर में 1950 के दशक में हुए वामपंथ के उत्थान के बाद आतंकवादी गतिविधियां दुनिया के तमाम मुल्कों में देखी जाने लगी थीं जिनकी जद में यूरोप, अमेरिका, जापान, जर्मनी और भारत जैसे अनेक देश आए लेकिन भारत में आतंकवाद सबसे ज्यादा गंभीर, मुखर और बर्बर गतिविधियों के एक विस्तृत स्वरूप में जारी रहा है।

इसलिए 1967 में गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, बनाया गया। बाद में इस अधिनियम को संशोधित किया गया जिसमें संघीय सरकार को संगठनों और व्यक्तियों को 'आतंकवादी के रूप में नामित करने की शक्ति मिली है। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (एनएसए) भी अत्यंत कारगर है जिसमें अधिनियम अधिकारियों को आतंकवादियों से ताल्लुक रखने वाले गुटों के सदस्यों को बिना किसी प्रदर्शन के घोषित अवधि के लिए हिरासत में रखने की अनुमति देता है। फिर पोटा कानून बनाया गया लेकिन 2002 में इसे निरस्त कर दिया गया। आतंकवादी एवं विघटनकारी गतिविधियों (रोकथाम) अधिनियम (टाडा) 1985 में लागू किया गया जिसे 1995 में निरस्त कर दिया गया।

भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के विभिन्न प्रावधानों का भी इस्तेमाल किया जाता है। आतंकवादी गतिविधियों को रोकने में आर्म्स एक्ट लागू है, जो आतंकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल होने वाले हथियारों के संबंध में लागू किया जाता है। इसी क्रम में विस्फोटक अधिनियम कानून भी लागू है, जो विस्फोटक चीजों के इस्तेमाल से संबंधित मामलों से ताल्लुक रखता है। कुछ राज्यों ने आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए कानून बनाए हैं, जिनमें महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश जैसे राज्य शामिल हैं, जिनके जरिए आतंकवाद को रोकने का कार्य किया जाता है। आतंकवाद मानवता विरोधी, कानून विरोधी, समाज विरोधी, धर्म विरोधी (मानव मूल्यों के क्षरण) बर्बर गतिविधियों की पहचान के साथ दुनिया भर में जारी है।

दुनिया में आतंकवाद जिस तेजी से बढ़ा है, और हजारों आतंकवादी संगठन और गुट इसमें लिप्त हैं, ऐसे हालात में भारत के सामने आतंकवाद खत्म करने की बहुत बड़ी चुनौती है। इस चुनौती को दुनिया के उन सभी देशों को स्वीकार करने की जरूरत है, जो आतंकवाद के खतरे से कई तरह से पीड़ित हैं। देखना यह होगा कि भारत के सामने आतंकवाद की जो चुनौती है, उससे पार पाने में दुनिया के कौन-कौन से देश खुल कर भारत का साथ देते हैं।

अरावली पहाड़ का उजड़ना चिंताजनक

पंकज चतुर्वेदी

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में बीते कुछ दिनों से गर्मी के साथ आकाश में छाए धूल के गुबार ने सांस के मरीजों के लिए जीवन का संकट खड़ा कर दिया है। हरियाणा के भिवानी में बवंडर ऐसा था कि दृश्यता 200 मीटर नहीं रह गई थी। रेत के तूफान ने राजस्थान के बीकानेर में भी लोगों को भयभीत किया वहां धूल ने सूरज को ढंक दिया और 455 डिग्री की गर्मी को घुटन में बदल दिया। कहने की जरूरत नहीं कि यह रेतीली आंधी पाकिस्तान से उठी थी।

वैसे तो हर साल मानसून आने से पहले दिल्ली और उत्तर-पश्चिम भारत में ऐसे धूल भरे तूफान आना आम है। इस मौसम में सऊदी अरब और कभी-कभी सहारा जैसे दूरदराज के इलाकों से उठने वाली धूल पश्चिमी हवाओं के जरिए यहां तक पहुंच जाती है। चिंता की बात यह है कि इस तरह के धूल भरे अंधड़ की संख्या और दायरा साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। समझना होगा कि यह सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन का प्रभाव है। 2015 के बाद से ऐसे अंधड़ों की संख्या बढ़ती जा रही है। अंधड़ से जान-माल का नुकसान तो होता ही है, सार्वजनिक संपत्तियों को भी खासा नुकसान होता है। अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'अर्थ साइंस इंफोरमैटिक्सइ में प्रकाशित एक शोध में चेतावनी दी जा चुकी है कि अरावली पर्वतमाला में पहाडि?ों के गायब होने से राजस्थान में रेत के तूफान में वृद्धि हुई है। भरतपुर, धौलपुर, जयपुर और चित्तौडगढ़ जैसे स्थानों, जहां अरावली पर्वतमाला पर अवैध खनन, भूमि अतिक्रमण और हरियाली उजाड़ने की अधिक मार पड़ी है, को सामान्य से अधिक रेतीले तूफानों का सामना करना पड़ रहा है। केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर एल के शर्मा और पीएचडी स्कॉलर आलोक राज के अध्ययन 'असेसमेंट ऑफ लेंड यूज डायनामिक्स ऑफ द अरावली यूजिंग इंटीग्रेटेड में कहा गया है कि गांठ बांध लें कि दिल्ली, राजस्थान के गैर-मरु स्थलीय जिलों और हरियाणा का अस्तित्व अरावली पर टिका है, और अरावली को नुकसान का अर्थ है कि देश के अन्न के एक कटोरे पंजाब तक बालू के धोरों का विस्तार। रेत के बवंडर खेती और हरियाली वाले इलाकों तक न पहुंचें, इसके लिए सुरक्षा-परत या शील्ड का काम हरियाली और जल-धाराओं से संपन्न अरावली पर्वतमाला सदियों से करती रही है। इसरो का एक शोध बताता है कि थार रेगिस्तान अब राजस्थान से बाहर निकल कर कई राज्यों में जड़ें जमा रहा है। सनद रहे कि राजस्थान से सुदूर पाकिस्तान और उससे आगे तक फैले भीषण रेगिस्तान से हर दिन लाखों टन रेत उड़ती है। खासकर गर्मी में यह धूल पूरे परिवेश में छा जाती है। मानवीय जीवन पर इसका दुष्परिणाम ठंड में दिखने वाले स्मोग से अधिक होता है। विडंबना है कि बीते चार दशकों में यहां मानवीय हस्तक्षेप और खनन इतना बढ़ा है कि कई स्थानों पर पहाड़ की श्रृंखला की जगह गहरी खाई हो गई और इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि उपजाऊ जमीन पर रेत की परत का विस्तार हो रहा है।

गुजरात के खेड ब्रह्म से शुरू हो कर कोई 692 किमी. तक फैली अरावली पर्वतमाला का विसर्जन देश के सबसे ताकतवर स्थान रायसीना हिल्स पर होता है, जहां राष्ट्रपति भवन स्थित है। अरावली पर्वतमाला को कोई 65 करोड़ साल पुराना माना जाता है, और इसे दुनिया के सबसे प्राचीन पहाड़ों में गिना गया है। ऐसी महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संरचना का बड़ा हिस्सा बीते चार दशक में पूरी तरह न केवल नदारद हुआ, बल्कि कई जगह उतुंग शिखर की जगह डेढ़ सौ फुट गहरी खाई हो गई। असल में अरावली पहाड़ रेगिस्तान से चलने वाली आंधियों को रोकने का काम करते रहे हैं, जिससे एक तो मरूभूमि का विस्तार नहीं हुआ दूसरा इसकी हरियाली, साफ हवा और बरसात का कारण बनती रही। एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में छपी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दो दशकों में कई अन्य पहाड़ियों के अलावा, ऊपरी अरावली पर्वतमाला की हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में कम और मध्य ऊंचाई की कम से कम 31 पहाड़ियां गायब हो गई हैं। ऊपरी स्तर पर पहाड़ियों का गायब होना नरैना, कलवाड़, कोटपूतली, झालाना और सरिस्का में समुद्र तल से 200 मीटर से 600 मीटर की ऊंचाई पर दर्ज किया गया था। याद करें कोई तीन साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार से पूछा था कि आखिर, कौन हनुमान जी ये पहाड़ियां उठा कर ले गए? 1975-2019 के दौरान किए गए एक अध्ययन में पता चला कि वन क्षेत्र में सघन बस्तियां बस जाना पहाड़ियों के गायब होने के प्रमुख कारणों में से एक था।

इस अध्ययन के परिणामों से पता चला है कि 1975-2019 के बीच अरावली की 3676 वर्ग किमी. भूमि बंजर हो गई। ऐसे हालात में अंधड़ की मार का दायरा बढ़ेगा। अरावली पहाड़ का उजड़ना अर्थात वहां जंगल और जल निधियों के उजड़ने, दुर्लभ वनस्पतियों के लुप्त होने के दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं।

तेंदुए, हिरण और चिंकारा भोजन के लिए मानव बस्तियों में प्रवेश करते हैं, और मानव-जानवर टकराव के वाकिये बढ़ रहे हैं।

राष्ट्र की बात आती है तब दल नहीं योग्यता प्रमुख

परमाणु बम की धमकी एवं गीदड़ भभकी देने वाले पाकिस्तान की हालत चार दिन की जंग के बाद ही खस्ता हो गई और जब भारत ने उसके तेरह में से ग्यारह एयरबेस क्षतिग्रस्त कर दिए और कम से कम छह पूरी तरह तबाह कर दिए व उसकी मिसाइलें एवं लड़ाकू विमान मार गिराए तथा ब्रह्मोस का प्रयोग करते हुए (यदि मीडिया की रिपोर्ट को सच मानें तो) उसे परमाणु बम के उपयोग करने की संभावना से भी वंचित कर दिया तब आनन फानन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्वीट करके दुनिया को इस संघर्ष विराम या सीजफायर की जानकारी दी तो एक तरह से दक्षिण एशिया एवं दुनिया ने राहत की सांस ली। वहीं यदि ट्रंप के वक्तव्य को मानें तो लाखों लोग मरने से बचे। लेकिन यहीं से देश में राजनीतिक उठापटक शुरू हो गई। विपक्ष ने मुखर होकर पूछा कि ऐसे क्या कारण थे जिनकी वजह से अचानक ही संघर्ष विराम की घोषणा करनी पड़ी और विभिन्न कोणों से सरकार पर जब हमले हुए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 12 मई को देश को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर समाप्त नहीं हुआ है। अभी तो उसे केवल स्थगित किया गया है। उन्होंने कड़े शब्दों में पाकिस्तान एवं आतंकवादियों सहित दूसरे देशों को भी चेतावनी दे दी कि भारत के आंतरिक मामलों में किसी प्रकार का हस्तक्षेप सहन नहीं किया जाएगा तथा आतंक की किसी भी घटना को 'एक्ट ऑफ वॉरइ समझा जाएगा जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। भले ही सरकार एवं विभिन्न रक्षा विशेषज्ञों की दृष्टि में भारत का पलड़ा इस संघर्ष में भारी रहा तथा पाकिस्तान को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा लेकिन दुनिया में अपना पक्ष रखना भी बहुत जरूरी था। इसलिए भारत सरकार ने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया जिनका नेतृत्व जाने-माने नेताओं को सौंपा गया। 59 सदस्यों वाले इन साथ प्रतिनिधिमंडलों में लगभग सभी प्रमुख दलों के सदस्यों को शामिल किया गया लेकिन विवाद तब उठ खड़ा हुआ जब कांग्रेस ने अपनी ही पार्टी के नेता शशि थरूर को अमेरिका जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेता चुने जाने के बावजूद इस पर आपत्ति दर्ज कराई।

कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया कि जिन चार नेताओं के नाम कांग्रेस ने दिए थे उनमें से केवल आनंद शर्मा को ही प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया गया है, और सरकार में अपनी मर्जी से ही शशि थरूर एवं सलमान खुर्शीद जैसे नेताओं को कांग्रेस का प्रतिनिधि बना कर भेजने का निर्णय लिया जो उसके लिए आपत्तिजनक है। एक तरह से देखें तो कांग्रेस का पक्ष अनुचित नहीं है क्योंकि हर दल को अपने उपयुक्त नेता को ऐसे प्रतिनिधिमंडलों में शामिल कराने का अधिकार है, लेकिन सरकार का कहना है कि उसने ऐसी कोई सूची मांगी ही नहीं थी तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए जिन नेताओं को उसने योग्य पाया उनका चयन इन प्रतिनिधिमंडलों में किया गया है। 0 डॉ. घनश्याम बादल

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1338

1		2	3		4		5
		6			7		
				8			
9				10		11	
			12		13		
14		15		16			17
		18					
19						20	

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारत का सबसे अधिक राज्यों के साथ सीमा (8 राज्य)बनाने वाला राज्य (6)
6. आनंद, सुख, लुत्फ, स्वाद, रस (2)
7. कामदेव, मनोज, रतिपति (3)
8. स्थिति, अवस्था, हालत (2)
9. कलिंद पर्वत से निकलने के कारण इस नदी का एक नाम कालिंदी भी है (3)
10. भारयुक्त होना, भारी वस्तु का दूसरी वस्तु पर बोझ के रूप में रखा जाना (3)
12. ग्रीष्म ऋतु में चलने वाली तप्त हवा (1)
13. पुत्र, सुत, पूत (2)
14. औलाद, पुत्र या पुत्री, संतति (3)
16. तरकारी, हरी सब्जी, भाजी (2)
18. जख्म पर लगाया जाने वाला गाढ़ा और चिकना लेप (4)
19. गिरवी रखने का भाव या क्रिया रहने का ढ़ंग (3)
20. पकाकर उबालकर बनाया हुआ चावल (2)

ऊपर से नीचे

1. हिंदु धर्म के सोलह संस्कारों में से एक जिसमें यज्ञोपवीत धारण किया जाता है (8)
2. हिंडोले पर झूलना, पेंगे मारना, झमते हुए चलना (4)
3. अवाम, पब्लिक, रिआया, रैयत (2)
4. पुरानी फिल्मों की पार्श्व गायिका जिन्होंने हिंदी पके अलावा बंगाली, मराठी, गुजराती, तमिल एवं पंजाबी भाषाओं में लगभग 6000 से अधिक गाने गाए है (7)
5. कपि, बंदर (3)
8. समूह, गुट, पंखुडी, गिरोह (2)
11. छोटे कद का, ठिगना, बौना (2)
15. प्रणाम, नमस्कार, अभिवादन करने की क्रिया (3)
16. हिम्मत, पराक्रम, बहादुरी (3)
17. उचित से अधिक, यथेष्ट, अधिक मात्रा में, ज्यादा (3)

वर्ग पहेली 1337 का हल

ब	र	ग	द		ग	ठि	या
ल	त	म	र्द	न		ग	म
दे		क		व	र	ना	
व	क्ष		स	जी	व		श्या
	मा	मा		व		सो	म
	प्र	ह	स	न		ह	ल
	दा	वा			रा	ब	
वा	न	र		बे	ह	त	र

एकदा

रूस यूक्रेन युद्ध में अब ट्रंप नहीं घुसेंगे, पॉप फ्रांसिस लियो पर जिम्मेदारी छोड़ी

यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप ने रूस यूक्रेन युद्ध से अपने आप को अलग कर लिया और जिम्मेदारी पॉप फ्रांसिस लियो पर छोड़ दी है। उल्लेखनीय है कि यूएस प्रेसिडेंट चुने जाने पर उन्होंने कहा था कि रूस यूक्रेन युद्ध समाप्त होगा। लेकिन चार महीने कोशिश करने के बाद रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने ट्रंप को एक मझे हुए खिलाड़ी की तरफ बेबस कर दिया।इस घटना को अंतराष्ट्रीय बिरादरी में अमेरिका की विदेश नीति की धज्जियां उड़ गई हैं। यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप ने चाइना से भी टैरिफ बार में समझौता कर लिया। पिछले चार महीनों में जो कुछ ट्रंप ने करने की कोशिश की वह फलीभूत नहीं हुई। दूसरी ओर युक्रेन के राष्ट्रपति जिलेशकी को यूरोप का पूरा समर्थन मिल रहा है। यूरोपीय संघ ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने की घोषणा कर दी है।

यूरोपीय देशों ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली,में ट्रंप को लेकर बहुत ही अनिश्चिता का भाव है।उद्यपि ये देश नाटो के सदस्य हैं लेकिन इन दिनों नाटो का नेता अमेरिका ही विचित्र माहौल बना रहा है। ट्रंप पर से भरोसा उठता जा रहा है।पुतिन अपनी शर्तों पर युद्ध विराम चाहते हैं उनकी एक ही शर्त है कि किसी भी कीमत पर युद्ध में विजय भूभाग यूक्रेन को बापिस नहीं करेंगे और हजार्ना भी बसूल करेंगे।अब यह युद्ध खत्म नहीं होने जा रहा है क्योंकि पुतिन अब आक्रामक मुद्रा में हैं।

0 अजय दीक्षित

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

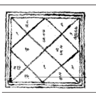

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14 .04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि : आज का दिन नया बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, अचानक धन लाभ होगा जिससे आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा।

वृष राशि : आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है। पहले किया हुआ काम आज पूरा हो जायेगा। जिसका सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाये रखें और समय के साथ चलें। अपने जज्बात काबू में रखें फायदा होगा। आज आपको तरक्की के नये रास्ते मिलेंगे।

मिथुन राशि : आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज व्यापारियों के लिए दिन शुभ हैं। धनलाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। साझेदारी करना आज आपके लिये फायदेमंद रहेगा। जमीन से जुड़ा बड़ा मामला सुलझ जायेगा। आज ऑफिस में नई पहल करने के लिये दिन अच्छा है।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छा रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। रूका हुआ काम अपनों की मदद से पूरा हो जायेगा।

सिंह राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी प्लानिंग गुप्त रखेंगे, तो सफलता जरूर हासिल होगी। आज आपके सोचे हुए काम पूरे हो जायेंगे। किसी काम में निवेश करने से पहले अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर लें।

कन्या राशि : आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेगा, कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है,

तुला राशि : आज किस्मत आपका पूरा साथ देगी। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा काम करेंगे, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बाते सामने आएंगी, जो भविष्य में फायदेमंद रहेगी। आज आपका स्वास्थ्य बेहतरीन रहने वाला है।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अगर आज कहीं यात्रा पर जा रहे है तो फायदा होने वाला है। यात्रा पर जाने से पहले सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखना न भूलें। आज कार्यों को लेकर किया गया कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। आज आपका आकर्षक व्यक्तित्व लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचेगा।

धनु राशि : आज का दिन अनुकूल रहेगा। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगें तो आपको फायदा जरूर होने वाला है। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नती का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं।

मकर राशि : आज का दिन नई सौगात लेकर आया है। कारोबार में वृद्धि के लिये आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस-पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगें। इस राशि के जो लोग पयर्टन से जुड़े हैं, उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलने वाला है।

कुंभ राशि : आज आपका मन अध्यात्म में लगा रहेगा। आज ऑफिस में आपका प्रभाव बढ़ेगा। इस राशि के नवविवाहित दंपत्ति को आज किसी सामाजिक समारोह जाना पड़ सकता है। जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जायेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी सेहत पहले से बेहतर रहेगी। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीजें सुधर रही हैं। कॉलेज में दोस्तों के साथ हंसी-मजाक होगा साथ ही बीच में किसी बात को लेकर चर्चा भी करेंगे।

क्या होता है डीएनए, जिससे खुल जाते है पीढ़ियों के राज

डीएनए टेस्ट जिसे करने से व्यक्ति के बारे में सम्पूर्ण जानकारी मिल जाती है। क्या आप इसके बारे में जानते है? क्या आप जानते है भारत में पहली बार डीएनए टेस्ट कब किया गया था? यदि आप भी डीएनए टेस्ट के बारे में नहीं जानते हैं तो यह खबर आपके काम की हैं।

डीएनए टेस्ट एक शक्तिशाली और विश्वासनीय विज्ञान है, जिसके जरिए हम व्यक्ति के जन्म से लेकर उसके वंश और स्वास्थ्य का विश्वासनीय ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। यह विज्ञानिक रूप से प्रमाणित है। दरअसल आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन डीएनए से आप व्यक्ति की पूरी जानकारी निकाल सकते है। दरअसल डीएनए न सिर्फ व्यक्ति के माता-पिता की जानकारी मिल सकती है बल्कि इससे उसकी पुरानी पीढ़ियों, बीमारियों और मजबूती के बारे में पता लगाया जा सकता है। दरअसल आपको बता दें भारत में पहला डीएनए टेस्ट 1991 में हुआ था।

क्या होता है डीएनए?

दरअसल जैसे ज्योतिष में कुंडली का महत्व होता है, ठीक उसी तरह डीएनए से हम व्यक्ति के जींस, पूर्वजों और उनकी आनुवंशिक ज्ञान को प्राप्त कर सकते हैं। आपको बता दें की डीएनए को डीऑक्सीराइबो न्यूक्लिक एसिड कहा जाता हैं। जानकारी के अनुसार यह हमारे शरीर में मौजूद एक अणु होता है। दरअसल किसी भी व्यक्ति का एक अद्वितीय आनुवंशिक और अलग कोड होता है। आपको जानकारी होगी कि हमारे शरीर में कई करोड़ सेल्स दौड़ती हैं। वहीं ये रेड सेल्स को छोड़कर अन्य सभी सेल्स में एक जेनेटिक कोडिंग होती हैं, जो शरीर को बनाती है। बस इसी कोडिंग की मदद से डीएनए पूर्वज तक की जानकारी निकल लेता हैं। दरअसल इसमें उनके स्वास्थ्य, बीमारियों, उनके वंश के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी होती है। इस जानकारी का प्रयोग तब किया जाता है जब बड़े आपराधिक मामलों में डीएनए टेस्ट की जरूरत पड़ती है।

कैसे करते हैं डीएनए टेस्ट?

डीएनए टेस्ट की जांच के लिए विभिन्न शरीरिक नमूने लिए जाते हैं, जैसे कि मुख की लार, दांत, हड्डियां, नाखून या पेशाब। ये नमूने साइंटिफिक तरीके से प्रक्रियाओं के माध्यम से लेकर डीएनए कोशिकाओं को अलग किया जाता है और उससे व्यक्ति के आनुवंशिक ज्ञान का पता लगाया जाता है।

उरई की ऐतिहासिक लंका मीनार...

जहां भाई-बहनों का प्रवेश है निषेध

भारत, आस्था और मान्यताओं का देश माना जाता है, जहां हर ऐतिहासिक स्थल और मंदिर के पीछे अपनी अलग मान्यता होती है। आज हम आपको एक ऐसे ही धार्मिक स्थल के बारे में बताने जा रहे है, जिसके साथ बेहद ही रोचक मान्यता जुड़ी हुई है। दरअसल आज हम बात कर रहे हैं लंका मीनार की, जिसके बारे में कहा जाता है कि यहां सिर्फ प्रेमी-प्रेमिका या पति-पत्नी ही प्रवेश कर सकते हैं। यहां भाई बहनो का प्रवेश निषेध है।

भारत कई संस्कृतियो और परंपराओ का देश है। यहा का समाज सदियों से चले आ रहे है रीती-रिवाजो का प्लान करता है। इसके अलावा यहा कई अजीबो-गरीब मान्यताओ का भी खूब चलन है, जिनके बारे मे जानकार हर कोई हैरान रह जाता है। भारत की एक ऐसी ही मान्यता है, जिसके बारे मे आज हम आपको इस लेख मे बताने जा रहे है, जो एक मीनार से जुड़ी हई है। ऐसा कहा जाता है कि इस मीनार पर भाई-बहन एक साथ चढ़कर ऊपर जा नहीं जा सकते।

25 वर्षों में मीनार का हुआ था पूरा निर्माण

नगर के मोहल्ला रावगंज स्थित लंका मीनार का निर्माण बाबू मथुरा प्रसाद निगम लंकेश ने सन 1875 मे कराया था। 25 वर्षों में लंका मीनार का निर्माण पूरा हुआ था। लंकेश के वंशज विवेक कुमार निगम बताते है कि लंका मीनार मे ऊपर चढने के लिये सात गोल फेरो से होकर जाना पडता है इसलिये यहां पर भाई बहन चाचा भतीजी मामा भांजी आदि रिश्तों को ध्यान में रख कर लोग लंका मीनार पर चढ़ते हैं लंका मीनार के सात फेरों को शादी के सात फेरों से जोड़ कर देखा जाता है। यदि उक्त रिश्ते के लोग साथ मे लंका मे चढ़ते है तो उन्हे पति पत्नी मान लिया जाता है। हालांकि यह बात कहीं इतिहास में दर्ज नहीं है। यह केवल किवदंती मात्र है।

रावण का पूरा परिवार सहित संसार के सारे देवी देवता स्थापित हैं

लंका मीनार की देखरेख करने वाले विवेक निगम बताते हैं कि लंका मीनार परिसर मे रावण के पूरे परिवार के लोगो की मूर्तिया स्थापित है। रामचरित मानस के अयोध्याकाण्ड मे जितने भी देवी देवताओं का वर्णन मिलता है सभी के चित्र लंका मीनार में स्थापित है वहीं रावण की विशाल काय प्रतिमा के सन्मुख चित्रगुप्त का मंदिर है। इस मंदिर को कुछ इस तरीके से बनाया गया है कि 12 मास 24 घंटे रावण की दृष्टि शिवलिंग पर पड़ती है इसी मंदिर मे संसार के सभी देवी देवता की प्रतिमा स्थापित है

उत्तर प्रदेश में मौजूद है 'लंका मीनार'

इस मीनार की अजीब मान्यता रावण को समर्पित है। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में स्थित इस मीनार के अंदर रावण के पूरे परिवार के चित्र बनाए गए हैं। वैसे मीनार ज्यादा बड़ी नहीं है, लेकिन अपनी अजीब मान्यता की वजह से ये जगह एक टूरिस्ट स्पॉट में बदल चुकी है। इस स्थान का अनुभव लेने के लिए लोग यहां दूर-दूर से आते हैं।

क्यों कराया गया इस मीनार का निर्माण?

इस मीनार के निर्माण की कहानी बड़ी दिलचस्प है. जानकारी के अनुसार, यह मीनार 1857 में, मथुरा प्रसाद नामक एक व्यक्ति द्वारा बनवाई गई थी. कहते हैं कि मथुरा प्रसाद ने रावण की याद में इस मीनार का निर्माण करवाया था. इसलिए, इसका नाम 'लंका मीनार' रखा गया.

मंदिर को बनाने की कहानी

इस मीनार के निर्माण की कहानी बेहद ही दिलचस्प है। इस मीनार को 1857 मे, मथुरा प्रसाद निगम के एक व्यक्ति द्वारा बनवाया गया था। ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने रावण की याद में इस मीनार का निर्माण किया था, जिस वजह से इसका नाम 'लंका मीनार' रखा गया। मथुरा प्रसाद एक कलाकर के रूप मे ज्यादातर रावण का किरदार करते थे। ऐसा कहा जाता है कि रावण की भूमिका ने उनपर इतनी बड़ी छाप छोड़ी कि उन्होंने रावण की याद में एक मीनार बनवा डाला। लंका मीनार को बनाने में 20 साल का समय लगा था। टॉवर की ऊंचाई 210 फीट है। इस मीनार को बनाने में उस समय लगभग 1 लाख 75 हजार का खर्चा आया था।

शादी के सात फेरों से जोड़कर देखा जाता हैं इसे

नगर की लंका मीनार एक ऐसा स्थान है जहा पर भाई बहन मामा भांजी चाचा भतीजी आदि साथ मे मीनार पर नहीं चढ़ सकते हैं। क्योंकि इसमें चढने के लिए सात गोल चक्कर है जिन्हे शादी के सात फेरो से जोड़कर देखा जाता है। कहा जाता है यदि उक्त रिश्ते वाले लोग यदि बिना ध्यान दिये लंका मे चढ़ जाते है तो उन्हे पति पत्नी माना जाता है। इसकी जानकारी पहले लंका मीनार के बाहर भी लिखी थी।

बहन-भाई नहीं जा सकते

लंका मीनार को लेकर एक अजीब मान्यता ये भी है कि यहा मीनार में भाई बहन एक साथ ऊपर नहीं जा सकते हैं। असल में, मीनार के ऊपर जाने के लिए 7 परिक्रमाओ को पूरा करना पड़ता है, जिसे भाई-बहन द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता। यही कारण कि मीनार के ऊपर एक साथ भाई बहनो का जाना मना है। इसे मान्यता को आप भी कुछ कह ले, लेकिन स्थानीय लोगो द्वारा इसका पालन सालो से किया जा रहा है।

कौड़ी, केसर, शीप, दाल, गुड़ आदि के मिश्रण से हुआ था निर्माण

विवेक कुमार निगम बताते है कि इस मीनार का निर्माण कौड़ी, केसर, शीप, उर्द की दाल, गुड़ और चुने आदि का प्रयोग करके कराया गया था। इसका निर्माण कारीगर अजीम ने किया था। लंका मीनार की लबाई लगभग 30 मीटर है, जिसमे सात घुमावदार मोड़ है। वही लंका मीनार परिसर मे रावण का पूरे परिवार का चित्रण है, जिसमें सौ फीट के कुंभकर्ण व 65 फीट ऊंचे मेघनाद की प्रतिमाएं विराजमान हैं।

यहां ट्रेन से उतरते हैं भूत, खौफनाक नजारा देख भागे कारीगर, अब तक अधूरा है ये स्टेशन!

दुनिया में ऐसी कई जगहें है, जिनसे भूतों का कनेक्शन जुड़ गया है. भूत होते है या नहीं, ये तो व्यक्तिगत मान्यताओं पर निर्भर करता है. पर इन जगहों पर जाकर बहुत से लोगों ने ये दावा किया है कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ है कि उनके इर्द-गिर्द भूतों जैसा कुछ मौजूद है. ऐसी ही एक जगह स्वीडन में मौजूद है. ये एक रेलवे स्टेशन है, जिसके लिए कहा जाता है कि यहां भूतों से भरी ट्रेन आती है और यहां पर सिर्फ भूतों का ही राज चलता है. जब आप इस जगह के बारे में जानेंगे, तो आपकी भी रूह कांप उठेगी.

रिपोर्ट के अनुसार स्वीडन की राजधानी स्टॉकहॉम शहर में एक मेट्रो स्टेशन है, जिसका नाम है किमलिज मेट्रो स्टेशन. शहर के आम लोगों की कहानियों और किस्सों मे ये स्टेशन भुतहा है. अब वास्तविकता क्या है, ये तो कोई भी ठीक-ठीक नहीं बताता, पर मान्यताओं में यहां लोग जाने से डरते है. इसी वजह से ये स्टेशन आजतक अधूरा है. माना जाता है कि सालों पहले जब इस स्टेशन को बनाने का कार्य जारी था, तो यहां काम करने वाले कारीगर रातों-रात भाग निकले थे.

स्टेशन क्यों रह गया अधूरा?

उन्होंने अपने परिवार-दोस्तों से स्टेशन के राज का खुलासा करते हुए बताया था कि वहां भूत हैं. उनका कहना था कि रात में इस स्टेशन पर कुछ ट्रेनें आती हैं, जिनसे भूत उतरते हैं. तब से लोगों में ये अफवाह फैल गई कि स्टेशन पर देर रात ऐसी ट्रेनें आती हैं, जिसमें से भूत यात्रा कर यहां उतरते हैं. इस स्टेशन से जुड़ी जो सबसे खौफनाक बात है, वो है सिल्वर एरो ट्रेन. ये ट्रेन अपने में काफी अनोखी लगती है.

ट्रेन से उतरते थे भूत

1960 के दशक में स्टॉकहोम मेट्रो को 8 ट्रेनों की सौगात मिली थी जो अल्युमीनियम से पूरी तरह बनी थी. वैसे तो ये स्वीडन में आम बात थी, पर जब वो उन ट्रेनों को स्टेशन पर लाया गया, तो उन्हें स्टॉकहोम की ट्रेनो के अन्य कोच की तरह हरे रंग में नहीं रंगा गया. प्रशासन ने सोचा था कि सिल्वर रंग के कोच, बाकी कोच से अलग नजर आएंगे. पर उन्हे ये कहा पता था कि इसकी वजह से अफवाहें भी फैलने लगेंगी. धीरे-धीरे अफवाह फैलने लगी कि ये ट्रेन रात में अपने आप चलने लगती है. बाकी ट्रेनों पर लोग स्प्रे पेंट से पेंटिंग कर देते थे, या कोई विज्ञापन चिपका देते थे, पर सिल्वर एरो ट्रेनें बिना किसी दाग की होती थीं. लोगों का मानना था कि ऐसा सिर्फ इस वजह से है क्योंकि ट्रेनो को भूत प्रयोग कर रहे हैं. कुछ लोग ये भी मानते थे कि अगर ट्रेन पर कोई जीवित व्यक्ति चढ़ गया, तो जो नीचे उतरेगा, वो उसका भूत होगा.

क्या था सच

प्रशासन ने इस स्टेशन और ट्रेन के बारे में कई बार बताया है. उनका कहना है कि स्टेशन खाली नहीं रहता, बस उसके निर्माण कार्य पर रोक लग गई थी. वो इसलिए क्योंकि स्टेशन जंगलों के बीच स्थित था और प्रशासन ने तय किया कि वो उसके आसपास की प्राकृतिक खूबसूरती को नष्ट नहीं करना चाहते. इसके अलावा उन्हें लगा था कि ट्रेन को सिल्वर रंग का छोड़ने से उन्हें ये पता चल जाएगा कि यात्रियों को रंगीन ट्रेनों पर चलना पसंद है या फिर सादे रंग की ट्रेनो पर. इसके अलावा पेंट न करने से उनके काफी रुपये बच रहे थे. न जाने कैसे, लोगों ने ट्रेन को लेकर भूतों की बातें शुरू कर दी. ऐसी रोचक जानकारियों के लिए जुड़े रहें.

कभी-कभी ऐसी घटनाएं घट जाती है, जिनपर विश्वास करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन सा लगने लगता है। आज से 66 साल पहले कुछ ऐसी ही घटना जापान के एक एयरपोर्ट पर घटी थी, जो आज भी एक अनसुलझी पहेली की तरह है। दरअसल, यहां एक रहस्यमय शख्स आ गया था, जो खुद को एक ऐसे देश का नागरिक बता रहा था, जो असल में धरती पर कहीं है ही नहीं। इतना ही नहीं, एक बंद कमरे से वो अचानक गायब भी हो गया था, जिसके बाद वो कभी नहीं दिखा।

66 साल से रहस्य बना है काल्पनिक देश से आया शख्स, अचानक हो गया था गायब

यह घटना जुलाई 1954 की है। दोपहर के 12.30 बज रहे थे। एक यूरोपीय विमान टोक्यो के हेनेडा हवाईअड्डे पर लैंड हुआ। विमान मे सवार सभी यात्री नीचे उतरे और चेक आउट काउंटर की तरफ गए। वहा बैठे अधिकारी सभी यात्रियों के पासपोर्ट की जांच कर रहे थे। तभी उन्हें एक ऐसा यात्री मिला, जिसके पासपोर्ट को देख कर वो हैरान रह गए। यात्री के पासपोर्ट पर टॉरेड नाम के एक देश का नाम लिखा हुआ था। जांच कर रहे अधिकारियों ने इससे पहले कभी ऐसे किसी देश का नाम नहीं सुना था। उन्हें वो यात्री संदिग्ध लगा, इसलिए उन्होंने इसकी सूचना सुरक्षा अधिकारियों को दी, जिसके बाद उस यात्री को पूछताछ के लिए अलग कमरे में ले जाया गया। अधिकारियों ने सबसे पहले तो उससे जापान आने का कारण पूछा। इस पर उसने बताया कि वह एक कारोबारी है और बिजनेस के सिलसिले में ही यहा आया है। सुरक्षा अधिकारियों ने उस रहस्यमय यात्री के पासपोर्ट की जांच की, जिसपर उसके देश का नाम टॉरेड लिखा था। उन्हें भी बड़ा आश्चर्य हुआ कि क्या सच में ऐसा कोई देश है। अधिकारियों के पूछने पर उसने बताया कि इस पासपोर्ट पर ये कोई उसकी पहली यात्रा नहीं है बल्कि वो यूरोप के कई देशों में भी जा चुका है। अधिकारियों को भी उसकी बातें सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ, क्योंकि उसके पासपोर्ट पर अन्य देशों के जो मुहर लगे थे, वो बिल्कुल असली थे। फिर भी वो इस बात को मानने को कतई तैयार नहीं थे कि जिस देश से वह यात्री आया है, असल में वो धरती पर कहीं है। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानने के लिए कि टॉरेड आखिर धरती पर है कहा, उस यात्री को दुनिया का मैप दिखाया और पूछा कि उसका देश कहां है। इसपर उस यात्री ने अंडोरा नाम के देश पर ऊंगली रखते हुए कहा कि यहा उसका देश है, लेकिन उसे ये समझ नहीं आ रहा कि यहां टॉरेड की जगह अंडोरा क्यों लिखा हुआ है। यह सुनकर अधिकारी और भी ज्यादा हैरान हो गए कि आखिर ये शख्स खुद को एक काल्पनिक देश का क्यों बता रहा है, लेकिन उसके पासपोर्ट, वीजा और अन्य दस्तावेजों को देखकर लग रहा था कि वो सच बोल रहा है।

अब वो रहस्यमय यात्री सच बोल रहा है या झूठ, यह जानने का एक ही उपाय था और वो ये कि वह कारोबार के सिलसिले में किससे मिलने आया था। अधिकारियो के पूछने पर उसने उस कंपनी का नाम बताया, जहां उसे जाना था। साथ ही उस होटल के बारे में भी बताया, जहा उसे ठहरना था। इसके बाद अधिकारियों ने उस कंपनी और होटल से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने ऐसे किसी भी व्यक्ति को पहचानने से इनकार कर दिया। अब जांच अधिकारियों को लगा कि शायद ये कोई शातिर अपराधी है, जो अपनी पहचान छुपा रहा है और यहा किसी घटना को अंजाम देने के लिए आया है। इसके बाद उन्होंने उसका सारा सामान जब्त कर लिया और पुलिस की कड़ी निगरानी मे उसे एक होटल के कमरे मे बंद कर दिया गया। अगले दिन जब कमरे का दरवाजा खोला गया, तो पुलिस यह देख कर चौंक गई कि कमरे में तो कोई है ही नहीं, जबकि बाहर पुलिस का पहरा था और कमरे की सभी खिड़कियों को पहले ही सील कर दिया गया था। पुलिस को यह जानकर और भी ज्यादा आश्चर्य हुआ कि एयरपोर्ट पर उसका जो पासपोर्ट, वीजा और अन्य कागजात जब्त किए गए थे, वो भी गायब थे। अब किसी को भी यह समझ मे नहीं आ रहा था कि आखिर ये हुआ कैसे।

सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर कई कहानियां प्रचलित हैं। कोई कहता है कि वो रहस्यमय शख्स दूसरी दुनिया से आया था तो कोई कहता है कि टाइम मशीन के जरिए वो गलती से यहां आ गया होगा और जब उसने देखा कि उसका राज खुलने वाला है तो वो कहीं गायब हो गया। अब यह सच है या झूठ, ये तो कोई नहीं जानता, लेकिन इस रहस्यमय घटना पर कई किताबें जरूर लिखी जा चुकी हैं, जिनमें से एक है डायरेक्टरी ऑफ पॉसिबिलिटीज।

स्वास्थ्य कर्मचारियों का सांकेतिक धरना प्रदर्शन आज

मनेन्द्रगढ़। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के एमसीबी जिलाध्यक्ष अरूण कुमार ताम्रकार ने जानकारी देते हुए बताया कि अपनी विभिन्न समस्याओं, आमजनों की स्वास्थ्य सुविधाओं एवं विभाग में हुए भ्रष्टाचार इत्यादि मांगों के समर्थन में स्वास्थ्य विभाग के सभी कर्मचारी अपनी ड्यूटी के पश्चात 28 मई को दोपहर 1 से शाम साढ़े 4 बजे तक स्थानीय तहसील कार्यालय के समीप सांकेतिक धरना प्रदर्शन में सम्मिलित होंगे।

न्यूज गैलरी

बीड़ी नहीं मिलने से नाराज आरोपी ने चाकू से किया जानलेवा हमला

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। बीड़ी नहीं मिलने से नाराज आरोपी ने एक शख्स पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। घायल को इलाज के लिए सीएचसी मनेंद्रगढ़ लाया गया जहां उसकी नाजुक हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने अंबिकापुर रेफर किया है।

मनेंद्रगढ़ थानांतर्गत ग्राम कोथारी में 24 मई को सज्जन सिंह के यहां छठी का कार्यक्रम था जहां रात करीब 10 बजे आरोपी दिलीप सिंह ने नरेश सिंह से बीड़ी की मांग की जिसे उसने देने से मना कर दिया। इस बात से नाराज होकर दिलीप सिंह वहां से चला गया। रात करीब 2 बजे नरेश सिंह खाना खाकर अपने घर जा रहा था, तभी रास्ते में दिलीप सिंह ने उसका रास्ता रोक कर गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी देते हुए चाकू से उसके गले पर वार कर दिया जिससे नरेश सिंह घायल हो गया और उसके गले से खून बहने लगा। चीख-पुकार सुनकर मान सिंह व गांव के अन्य लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी दिलीप सिंह वहां से फरार हो गया। मान सिंह व अन्य लोगों ने घायल को इलाज के लिए मनेंद्रगढ़ अस्पताल लाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे अंबिकापुर रेफर कर दिया। घायल के भांजे ग्राम कोथारी निवासी दलप्रताप सिंह को फोन पर घटना की सूचना मिलने पर उसके द्वारा सिटी कोतवाली मनेंद्रगढ़ में आरोपी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस द्वारा केस दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

चर्चा कालरी - एसईसीएल चर्चा कालरी क्षेत्र में कॉलरी के विभागीय साइडिंग क्षेत्र से दिनदहाड़े खुलेआम कोयला चोरी ने पूरे प्रबंधन और सुरक्षा तंत्र की पोल खोल कर रख दी है इस जगह से बिना किसी भय या संकोच के कोयला चोरी का क्रम जारी है दिन के उजाले में दर्जनों की संख्या में महिला पुरुष बोरियों में भरकर कोयला ले जाते हैं दिनदहाड़े कोयला ले जाना इस बात का प्रमाण है कि या तो प्रबंधन की मौन स्वीकृति होगी या फिर कालरी के सुरक्षा विभाग की सेटिंग से सब चल रहा है , सुनियोजित तरीके से दिखाने के लिए हल्ला किया जाता है, या फिर बीच में एक दो बोरी कोयला पड़कर खाना पूर्ति कर ली जाती है सूत्रों के अनुसार इस स्थल से प्रतिदिन काफी मात्रा में कोयला ले जाया जाता है जबकि यह स्थल चर्चा थाना से मात्र ५०० मी की दूरी पर है कॉलरी क्षेत्र में पूर्व में रात के समय कोयला चोर सक्रिय होते थे और रात में ही कोयला चोरी होती थी दिन के समय कोयला नहीं होती थी विगत कुछ समय से चर्चा कालरी क्षेत्र में व्यापक रूप से कोयला चोरी का मामला काफी चर्चित रहा है राजनीतिक गलियांरो में भी इसकी काफी चर्चा रही है कोरिया भाजपा अध्यक्ष रात में अपनी टीम के साथ चर्चा कालरी के विभिन्न स्थलों में जाकर कोयला चोरों को पकड़ने की कवायद करते रहे कोयला तस्करी की घटना को सोशल मीडिया में भी काफी उठाया गया पुलिस विभाग की जिम्मेदार अधिकारियों के समक्ष भी कार्यवाही की मांग की गई लेकिन अब दिन में कोयला ले जाना कोरिया भाजपा जिला अध्यक्ष को चैलेंज करना प्रतीत होता है कालरी प्रबंधन द्वारा साइडिंग में काफी दूर तक कांटेदार तार लगाए गए हैं दिन में सुरक्षा गार्ड भी रहते हैं इसके बावजूद वहां से कोयला निकालना अपने आप में स्थानीय प्रबंधन की कार्यशैली में सवालिया प्रश्न चिन्ह है चर्चा कालरी के श्रमिक अथक परिश्रम कर कोयला निकलते हैं और वही कोयला दिनदहाड़े चोरी हो जाता है ऐसे में मेहनतकश मजदूरों के परिश्रम का क्या मूल्य रह जाता है इस चोरी से न केवल कंपनी की छवि को नुकसान पहुंचता है बल्कि कोयला उत्पादन और श्रमिक मनोबल को भी गहरा धक्का लगता है कैसे देरहे हो

दिनदहाड़े कोयला चोरी....

प्रबंधन और सुरक्षा विभाग पर सवालिया प्रश्न चिन्ह....

उप स्वास्थ्य केंद्र सलका में सरपंच के द्वारा इनवर्टर लगाया गया

कोरिया बैकुंठपुर। जनपद पंचायत बैकुंठपुर के ग्राम पंचायत सलका में सरपंच श्रीमती दुर्गा सिंह के प्रयास से उप स्वास्थ्य केंद्र सलका में इनवर्टर लगवाया गया।

मानसून में लाइट की समस्या बने रहती है जिससे गांव के किसी भी व्यक्ति को हॉस्पिटल में किसी भी प्रकार की समस्या न हो। निश्चित तौर पर ग्राम पंचायत सलका के नवनिर्वाचित सरपंच श्रीमती दुर्गा सिंह के द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उठाया कर गया कदम सराहनीय है।

चेक डेम से पानी को तरसते किसानों के चेहरे पर आई मुस्कान

मनरेगा के तहत बने चेकडेम से 20 किसानों के 17 एकड़ भूमि में बढ़ी सिंचाई सुविधा

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। किसान की मेहनत तभी सफल हो सकती है जब किसान के पास समय पर सिंचाई के लिए जल उपलब्ध हो। मोरघनिया नाला में बने चेक डेम से पानी को तरसते किसानों के चेहरे पर मुस्कान ला दिया है। यहां किसानों को अपनी फसलों में सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध हो पा रहा है।

ग्राम पंचायत बरदर में नाले के किनारे रहने वाले कई किसानों के पास सिंचाई का संसाधन न होने से उन्हें अपने खेतों से मनचाहा लाभ नहीं मिल पाता था। गांव के किनारे बहने वाले नाले से पूरा बारिश का पानी बहकर आगे हसदेव नदी में जाकर मिलता था और उसके बाद गर्मी आते तक वह नाला पूरी तरह से जल विहीन हो जाता था। बारिश में खेतों मे कटाव करके बहने वाली बारिश का पानी बाद में सिंचाई तो दूर उनके पशुओं के लिए पेयजल भी नहीं दे पाता था, लेकिन बीते वित्तीय वर्ष में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत बनाए गए एक पक्के चेक डेम से अब गांव का एक कोना हर मौसम में हरा भरा रहता है। यहां आधा दर्जन किसान पंपों के सहारे अपने 17 एकड़ से अधिक खेतों में सिंचाई का लाभ लेते हुए दो फसलें और तीन फसलें तक लेने लगे हैं। मई की तपती गर्मी में भी बरदर के दर्जन भर किसानों के खेतों में उड़द की फसल लहलहा रही है। जिले के जनपद पंचायत खड़गवां का एक ग्राम पंचायत बरदर है। यहां गांव के किनारे से एक मोरघनिया नाला बहता है। यह एक बरसाती नाला है जिसमे बारिश में तो पर्याप्त जल रहता था, लेकिन बारिश खत्म होने के बाद से इसमें जल कम होने लगता था और गर्मी आते तक यह पूरी तरह से सूख जाता था। इस नाले को नरवा विकास के तहत चयनित कर इसका सर्वे किया गया और उपयुक्त जगह पर गत वर्ष एक पक्का चेक डेम बनाया जाना प्रस्तावित किया गया। ग्राम सभा से प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार कार्य की स्वीकृति प्रदान करते हुए ग्राम पंचायत बरदर को निर्माण एजेंसी बनाया गया। तकनीकी सहायक राहुल की देखरेख में ग्राम पंचायत ने समय सीमा में कार्य को गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूरा किया। इस कार्य से एक हजार से ज्यादा मानव दिवस का रोजगार भी ग्रामीणों को प्राप्त हुआ। चेक डेम बन जाने के बाद यहां बड़ी मात्रा में जल संचय किया जा रहा है। चेकडेम से पीछे लगभग एक किलोमीटर तक बैकवाटर होने से आस पास का जल स्तर बेहतर हो रहा है। साथ ही किसानों को अपनी फसलों में सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में जल भी उपलब्ध हो पा रहा है। मोरघनिया नाले में बने चेक डेम से ग्राम पंचायत में रहने वाले किसान सत्यनारायण, फागुनाथ सिंह, राजकुमार, बलदेव, बाबूलाल, राजकिशुन, सुरेश और शिवप्रसाद जैसे कुल 20 किसानों के लगभग 17 एकड़ से अधिक भूमि में दो फसली सिंचाई सुविधा बढ़ गई है। इन किसानों ने बताया कि पहले सूख जाने वाले नाले में चेकडेम बन जाने से सिंचाई की दिक्कत समाप्त हो गई हैं अब हम अपनी मर्जी से फसलों की बुआई करके अच्छा लाभ कमा रहे हैं। वर्तमान में इस चेक डेम से लगी भूमि से लगभग दस एकड़ में उड़द और सब्जी की फसल लगी हुई है। इसके पहले किसानों ने धान और गेहूं की भरपूर फसल लेकर अच्छा मुनाफा कमाया है। कुल मिलाकर एक संसाधन से कई घरों में जीवन की शैली और स्तर में परिवर्तन साफ नजर आ रहा है। ऐसे में महात्मा गांधी नरेगा के तहत बने एक पक्के चेक डेम ने उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति में परिवर्तन लाना आरंभ किया है।

संविधान बचाओ अभियान : कोरिया जिले में 26 मई से संविधान बचाओ अभियान घर-घर जाकर किया जा रहा हैं जागरूकता अभियान

कोरिया बैकुंठपुर - अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निदेर्शानुसार पूरे प्रदेश में संचालित संविधान बचाओ अभियान के तहत जिला कांग्रेस कमेटी कोरिया द्वारा घर-घर अभियान को प्रभावी रूप से प्रारंभ किया गया। इस अभियान की तैयारी हेतु २५ मई २०२५ को राजीव भवन, कांग्रेस कार्यालय, कोरिया में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें सभी कार्यक्रम प्रभारीगण को घर-घर अभियान के संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि अभियान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर नागरिकों को भारतीय संविधान की मूल भावना एवं उसकी रक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करेंगे। इस अभियान की शुरूआत २६ मई २०२५ को राम साय सोरी के नेतृत्व में कोरिया जिले में की गई। सोरी ने अभियान प्रभारी की भूमिका निभाते हुए चारपारा, बरपारा, आमपारा, चोपन, जटासेमर, तथा तेलाईधार पंचायतों में भ्रमण कर नागरिकों को संविधान की जानकारी दी तथा संविधान की रक्षा हेतु सजग रहने का संदेश दिया।

इस अभियान में राम साय सोरी के साथ बूथ अध्यक्ष एवं कांग्रेस कार्यकर्ता जय प्रकाश देवांगन, बिहारीलाल,हितेश सिंह,अजय सिंह, विकेश यादव, गुलफाम अली, सुमित सिंह,शिव प्रसाद, विजय मरावी सहित अनेक कांग्रेसजन सक्रिय रूप से शामिल रहे। जिला कांग्रेस कमेटी कोरिया के जिला अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने बताया कि बताया कि यह अभियान ५ जून २०२५ तक सतत रूप से जारी रहेगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक संविधान की मूल अवधारणाएँ पहुँचाई जा सकें और लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनजागरण किया जा सके।

अकलासरई बना जल संरक्षण का मॉडल

पांच प्रतिशत योजना से खेतों में पानी का संचित भविष्य

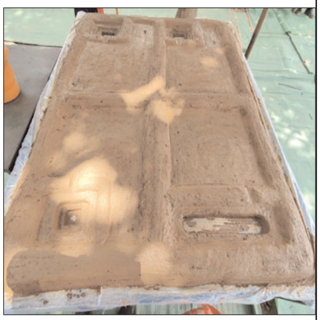

कोरिया बैकुंठपुर - छत्तीसगढ़ सरकार के जल संरक्षण महाभियान ज्मोर गांव मोर पानीज्ज के तहत कोरिया जिले में शुरू किए गए ज्आवा पानी झोंकीज्ज अभियान ने ग्रामीणों के सहयोग से नया आयाम हासिल कर लिया है। इस जनअभियान के तहत ग्राम पंचायत अकलासरई जल संरक्षण का प्रेरणास्त्रोत बनकर उभरी है, जहां किसान पांच परसेंट मॉडल को अपनाकर अपने खेतों में जल संचयन के लिए गड्ढे बना रहे हैं।

विगत दिनों समाधान शिविरों में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री व जिला प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम, बैकुण्ठपुर विधायक भइयालाल राजवाड़े, भरतपुर-सोनहत विधानसभा के विधायक श्रीमती रेणुका सिंह और अन्य जनप्रतिनिधियों ने इस पहल की सराहना करते हुए ग्रामीणों से जुड़ने का आग्रह किया।

जिले की कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की पहल पर मई माह के प्रथम सप्ताह में डोहड़ा और पोटेडांड़ पंचायतों से आरंभ हुआ यह अभियान जनपद पंचायत सोनहत की अकलासरई पंचायत में एक उदाहरण बन गया है। यहां अब तक २५ एकड़ से अधिक भूमि पर जल संचयन हेतु खेतों के निचले किनारे पर गड्ढों की खुदाई की जा चुकी है।

क्या है पांच परसेंट मॉडल?

जल संरक्षण की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा एक नई अभिनव पहल की है। ज्आवा पानी झोंकी अभियानज्ज के तहत किसानों को खेती में ५ प्रतिशत मॉडल अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस मॉडल के तहत खेत की ५ प्रतिशत भूमि में सीढ़ीनुमा गड्ढा बनाकर वर्षा जल को संरक्षित किया जाएगा, जिससे भूजल स्तर बढ़ेगा और फसल की उत्पादकता में वृद्धि होगी।

आवा पानी झोंकी अभियान को जन आंदोलन में बदलने के लिए जिला प्रशासन द्वारा दीवार लेखन, मुनादी, नुक्कड़ नाटक और जनचेतना कार्यक्रमों जैसी गतिविधियां संचालित की गई है। सुशासन तिहार के तहत समाधान शिविरों में जलदान कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसे व्यापक समर्थन मिल रहा है।

लंबित प्रकरणों का करें शीघ्र निराकरण, सड़कों से हटाए जाए आवारा मवेशियों को

धरती आबा अभियान के तहत 15 जून से लगेंगे शिविर, एक पेड़ मां के नाम में बड़े पैमाने पर पौधरोपण

कोरिया बैकुंठपुर - कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने सभी विभागों को च्धरती आबाज् अभियान के तहत १५ जून से प्रारंभ होने वाले शिविरों की तैयारी समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अभियान में जिले के १५४ चयनित ग्रामों को शामिल किया गया है। आज कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कलेक्टरेट सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शासन की योजनाओं और जनहितकारी कार्यक्रमों का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक समय पर और गुणवत्तापूर्वक पहुँचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का शीघ्र व प्रभावी निराकरण किया जाए।

जल संरक्षण की दिशा में पहल - च्आवा पानी झोंकी अभियानच के तहत किसानों को खेती में ५ प्रतिशत मॉडल अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस मॉडल के तहत खेत की ५ प्रतिशत भूमि में सीढ़ीनुमा गड्ढा बनाकर वर्षा जल को संरक्षित किया जाएगा, जिससे भूजल स्तर बढ़ेगा और फसल की उत्पादकता में वृद्धि होगी। श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि च्एक पेड़ मां के नामज् अभियान के तहत इस वर्ष भी बड़े स्तर पर पौधरोपण किया जाएगा। वन विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे रिक्त भूमियों का चिन्हांकन समय रहते कर लें। कलेक्टर ने पर्यावरण दिवस ५ जून के अवसर पर वृहद स्तर पर पौधारोपण करने हेतु तैयारी करने के निर्देश दिए है।

राजस्व प्रकरणों और बिजली बिलों पर कार्रवाई - कलेक्टर ने राजस्व संबंधित कार्य जैसे नामांतरण, बटवारा, नक्शा आदि का समयबद्ध समाधान करने की बात कही। इसके साथ ही सभी विभागों से बकाया बिजली बिल की राशि तत्काल जमा करने को कहा है। कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों से कहा कि समय पर कार्यालय व घरों में स्मार्ट मीटर लगवाएं। बिजली विभाग के अधिकारी ने जानकारी दी अभी तक ४६ शासकीय कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगाए गए है।

आवारा मवेशियों पर नियंत्रण - पशुपालन विभाग को निर्देश दिए गए कि आवारा और घुमंतू मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर शीघ्र शिफ्ट किया जाए तथा सड़कों पर आवारा मवेशियों के जमवाड़ा पर पशु मालिकों के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देष दिए। कलेक्टर ने जिला टास्क फोर्स के सभी अधिकारियों से कहा कि जिले में अवेध खनिज उत्खन्न, परिवहन पर संयुक्त रूप से कड़ी कार्यवाही करें। कलेक्टर ने खनिज विभाग के अलावा वन, राजस्व, पुलिस एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों को विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में मिले आवेदन - आज आयोजित जनदर्शन में कुल ८१ आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर ने स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुवेर्दी, अपर कलेक्टर अरुण कुमार मरकाम, डी.डी. मंडावी सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र मंडल के अमित के स्टार्टअप को मोदी ने सराहा

00 सर्प मित्र की तर्ज पर मधुमक्खी मित्र के रूप में संचालित कर रहे बी फ्रेंड्स

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार 25 मार्च को मन की बात में रायपुर के मैकेनिकल इंजीनियर और महाराष्ट्र मंडल के आजीवन सभासद अमित अभय गोडसे के मधुमक्खी के छत्ते की शिफ्टिंग के स्टार्टअप व जागरूकता अभियान का न केवल उल्लेख किया, बल्कि जमकर प्रशंसा भी की। अब कई लोग अमित और उनके स्टार्टअप को लेकर गूगल से लेकर विभिन्न सोशल मीडिया पर सर्च कर बहुत कुछ जानना चाहते हैं। साथ ही उन्हें भी इसी सिलसिले में लगातार फोन कॉल आ रहे हैं। डंगनिया निवासी महाराष्ट्र मंडल के अभय गोडसे के 40 वर्षीय पुत्र अमित पुणे में एक शानदार आईटी कंपनी में नौकरी कर रहे थे। लेकिन स्टार्टअप के रूप में कुछ करने की भूख ने उन्हें बी बास्केट जैसी कंपनी खोलने का मार्ग प्रशस्त किया। अब उन्हें प्रतिदिन 10 से 12 टेलीफोनिक कॉल मुधमक्खी के छत्तों को शिफ्ट करवाने के लिए आते हैं। अमित मधुमक्खियों को संरक्षण और जागरूकता के लिए अपनी टीम बनाई। जिसका नाम रखा बी फ्रेंड्स। संक्षिप्त चर्चा में अमित ने बताया कि लोगों को मधुमक्खी से डरने के बजाय उनसे सतर्क रहने को लेकर जागरूक करते हैं। यह काम शुरू करने से पहले अमित ने सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट में इसका बकायदा प्रशिक्षण लिया था। उन्होंने बताया कि 10 से 15 दिनों की ट्रेनिंग में प्रैक्टिल को अधिक प्राथमिकता दी जाती है। खासकर रेफलिंग रेस्क्यू करने से पहले इंसानों की सुरक्षा पर जोर दिया जाता है। इसी तरह रेस्क्यू करने वाले सदस्य भी ऊपर से न गिरे सहित अनेक सावधानियों को पहले ही पुख्ता कर लिया जाता है। अमित के अनुसार वे लोग विभिन्न कंपनी परिसर में बटरफ्लाई पार्क, गार्डन के लिए भी काम करते हैं। कंपनी व फैक्ट्री परिसर में बायोडायर्सिटी और कार्बन की मात्रा को कम करने के लिए इसी तरह के उपाय करते हैं। फिर भी मधुमक्खियों खासकर हनी बीज का संरक्षण उनकी प्राथमिकता होती है।

Sports Live

होंडा सिटी की बिक्री में गिरावट, एक कारोबारी विश्लेषण

नईदिल्ली ,27 मई । होंडा सिटी, भारतीय सेडान बाजार का एक प्रमुख खिलाड़ी, अप्रैल 2025 में बिक्री में 50त्न से अधिक की भारी गिरावट का सामना कर रहा है, जो सिर्फ 406 यूनिट्स तक सीमित रही। यह आंकड़ा एक चिंताजनक व्यावसायिक प्रवृत्ति को दर्शाता है, जो भारतीय ऑटोमोटिव बाजार में ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं की ओर इशारा करती है। पारंपरिक रूप से सेडान को पसंद करने वाले भारतीय अब अधिक स्पेस, बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस और ऊँची राइडिंग पोजीशन वाली एसयूवी की ओर रुख कर रहे हैं।

यह बदलाव होंडा सिटी जैसे स्थापित मॉडलों के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करता है। होंडा सिटी का मुकाबला मारुति सुजुकी सियाज, हुंडई वरना, स्कोडा स्लाविया और फॉक्सवैगन वर्टस जैसी मजबूत प्रतिस्पर्धियों से है।

कार्लसन ने नॉर्वे शतरंज के पहले राउंड में वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश को हराया

स्टवान्गर,27 मई। दुनिया के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने स्टवान्गर में नॉर्वे शतरंज के शुरूआती दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश पर शानदार जीत दर्ज की. उन्होंने चार घंटे से अधिक समय तक चले मैच में सभी 3 अंक हासिल करने के लिए अपने अंतिम गेम की विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया. खेल 55 चालों के बाद समाप्त हुआ और कार्लसन ने भारतीय खिलाड़ी की गलती का फायदा उठाकर जीत हासिल की.

कार्लसन अब अमेरिकी ग्रैंडमास्टर और दुनिया के नंबर 2 हिकारू नाकामुरा के साथ स्टैंडिंग में शीर्ष पर हैं, जिन्होंने अमेरिकी फैबियानो कारुआना को हराया क्योंकि दोनों खिलाडि ?ों ने अपने पहले राउंड के मैचों में जीत के साथ 3 प्वाइंट्स हासिल किए हैं.

भारत के अर्जुन एरिगैसी ने चीन के नंबर 1 वेई यी को आर्मगेडन गेम में हराया, जब उनका क्लासिकल गेम ड्रॉ पर समाप्त हुआ. वेई ने इस मुकाबले में एक अंक हासिल किया, जबकि एरिगैसी ने कुल 1.5 अंक हासिल किए.

टूनार्मेंट की स्कोरिंग प्रणाली में क्लासिकल फॉर्मेट में जीत के लिए 3 अंक दिए जाते हैं. ड्रॉ होने की स्थिति में, प्रत्येक खिलाड़ी को 1 अंक मिलता है और आर्मगेडन गेम में विजेता को अतिरिक्त आधा अंक दिया जाता है.

दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी ने प्रतिद्वंद्वी की गलतियों का फायदा उठाने के लिए शांत और सटीक गेमप्ले की मदद से आर. वैशाली के खिलाफ जीत हासिल की.

सफेद मोहरों से खेल रहे नॉर्वेजियन ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर दबाव डाला और गेम जीतने के लिए अंतिम गेम में गलती की. हालांकि, गुकेश ने 11वीं चाल में कार्लसन के सफेद मोहरों के लाभ को बेअसर करके एक मजबूत गेमप्ले दिखाया, जिससे नॉर्वेजियन को लगभग 15 मिनट तक इस चाल पर विचार करना पड़ा. हालांकि, कार्लसन ने अंत में अधिकांश अवसरों का फायदा उठाते हुए विश्व चैंपियन को हराया. ओपन और महिला दोनों श्रेणियों में शीर्ष छह खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं. पुरुषों की लाइनअप में गुकेश, कार्लसन, कारुआना, नाकामुरा, एरिगैसी और वेई यी शामिल हैं. महिलाओं के वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन जू वेनजुन के साथ लेई टिंगजी, हंपी, अन्ना मुजीचुक, वैशाली और सरसादत खादेमलशारिह भाग ले रही हैं.

पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को हराकर टॉप 2 में बनाई जगह

0-जोश इंग्लिस और प्रियांश आर्य ने खेलीं तूफानी पारी

जयपुर,27 मई। आईपीएल 2025 के 69वें मुकाबला में पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हरा दिया है. पंजाब ने अपने अंतिम लीग मैच में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में मिली शानदार जीत के साथ टॉप 2 टीमों में अपना स्थान पक्का कर लिया है. इस समय 14 मैचों के बाद पंजाब के 19 अंक हैं और वो अंक तालिका में नंबर 1 पर मौजूद है. अब आईपीएल 2025 के फाइनल में जगह बनाने के लिए पंजाब किंग्स को दो मौके मिलेंगे. उसे क्वालीफायर 1 और 2 खेलने का मौका मिलेगा.

इस मैच में पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीता और मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया. मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सूर्यकुमार यादव की अर्धशतकीय पारी के चलते 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 184 रन बनाए. पंजाब ने जीत के लिए मिले 185 रनों के टारगेट को 18.3 ओवर में 9 बॉल बाकी रहते हुए 3 विकेट खोकर 183 रन बनाकर मैच जीत लिया. इस हार के साथ मुंबई के टॉप 2 में पहुंचने की उम्मीदें भी खत्म हो गईं. पंजाब किंग्स के लिए पारी की शुरूआत करने के लिए प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य आए. प्रभसिमरन 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. इसके बाद क्रीज पर आए जोस इंग्लिस ने प्रियांश के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 59 बॉल में 109 रनों की साझेदारी कर डाली. प्रियाश आर्य ने 35 बॉल में 9 चौके और 2 छक्कों के साथ 67 रनों की पारी खेली.

आर्य के अलावा जोस इंग्लिस ने 42 बॉल में 9 चौके और 3 छक्कों की मदद से 73 रनों की पारी खेली. श्रेयस अय्यर ने नाबाद 26 और नेहाल वढेरा ने नाबाद 2 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी. मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह ने 1 और मिचेल सैंटनर ने 2 विकेट हासिल किए.

इससे पहले मुंबई इंडियंस के लिए सूर्यकुमार यादव ने 39 बॉल में 6 चौके और 2 छक्कों के साथ 57 रनों की पारी खेली. सूर्या टीम के टॉप स्कोरर रहे. उनके अलावा रयान रिकेल्टन ने 27, रोहित शर्मा ने 24, हार्दिक पांड्या ने 26 और नमन धीर ने 20 रनों का योगदान दिया. पंजाब किंग्स के लिए अर्शदीप सिंह, मार्को जानसेन और विजय कुमार वैशाख ने 2-2 विकेट चटकाए.

आईपीएल में लखनऊ और बेंगलुरु का मुकाबला

लखनऊ,27 मई। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के आखिरी 70वें लीग मैच में आज लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमें एक-दूसरे से भिड़ेंगी. दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला शाम 7:30 बजे से भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेला जाएगा. बेंगलुरु की टीम पहले ही आईपीएल 2025 प्लेऑफ में पहुंच चुकी है. वहीं, लखनऊ की टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है. हालांकि, आरसीबी प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष-2 में पहुंचने के लिए आज के मैच में जीत दर्ज करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी.

आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शानदार प्रदर्शन किया है और 13 मैचों में 18 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में फिलहाल तीसरे स्थान पर बनी हुई है. दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम के लिए यह सीजन मिला-जुला रहा है, और 13 मैचों में 12 अंक के साथ वे प्लेऑफ से बाहर हो चुकी है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए यह मुकाबला शीर्ष दो स्थान को पक्का करने का मौका है, ताकि वे क्वालिफायर में मजबूत स्थिति में रहें. अगर आरसीबी आज के मैच को जीत जाती है तो वह अंक तालिका में शीर्ष-2 में रहेगी. बता दें कि, प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष-2 स्थानों वाली टीमों को फाइनल में पहुंचने के लिए 2 मौके मिलेंगे.

लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच हेड टू हेड रिकॉर्ड्स की बात करें तो दोनों टीमें अब तक 5 आईपीएल मैचों में एक-दूसरे से भिड़ी हैं. इस दौरान 3 मैचों में आरसीबी को जीत हासिल हुई है. वहीं, 2 मैच एलएसजी की टीम जीतने में कामयाब हुई है. दोनों टीमें आखिरी बार आईपीएल 2024 में आमने-सामने आईं थी. इस मैच में लखनऊ ने 28 रनों से शानदार जीत दर्ज की थी. दोनों टीमों के बीच आज एक कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है.

लखनऊ सुपर जाइंट्स की बल्लेबाजी की जिम्मेदारी कप्तान केएल राहुल, मिचेल मार्श (450 रन) और निकोलस पूरन पर होगी, जिन्होंने इस सीजन में आक्रामक बल्लेबाजी की है. गेंदबाजी में मयंक यादव की रफ्तार (22 विकेट) और रवि बिश्नोई की फिरकी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को मुश्किल में डाल सकती है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से विराट कोहली (600+ रन) और फाफ डु प्लेसिस की फॉर्म अहम होगी. गेंदबाजी में जोश हेजलवुड, मोहम्मद सिराज और यश दयाल लखनऊ सुपर जाइंट्स के बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं. कैमरन ग्रीन का ऑलराउंड प्रदर्शन भी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है.

छोटी खबरें

सूर्यकुमार यादव ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़कर बने नंबर 1 बल्लेबाज

जयपुर,27 मई। पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल 2025 का 69वां मुकाबला खेला जा रहा है. इस मैच में मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने वो कर दिखाया जो टी20 क्रिकेट में अब तक कोई नहीं कर पाया है. पंजाब के खिलाफ तूफानी अर्धशतकीय पारी के साथ सूर्यकुमार यादव ने अपने नाम खास उपलब्धि दर्ज की है.

इस मैच में पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. मुंबई इंडियंस पहले बल्लेबाजी करते हुए जब रयान रिकेल्टन 27 रनों के निजी स्कोर पर मार्को जानसेन की गेंद पर श्रेयस अय्यर को कैच थमा बैठे तब सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी करने के लिए आए. उन्होंने तीसरे नंबर पर आकर अर्धशतकीय पारी खेली.इस पारी के साथ ही सूर्यकुमार यादव ने एक खास उपलब्धि अपने नाम हासिल कर ली है. सूर्या टी20 क्रिकेट इतिहास में लगातार सबसे ज्यादा बार 25 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. उन्हें पंजाब के खिलाफ 39 बॉल में 6 चौके और 2 छक्कों के साथ 57 रनों की पारी खेलकर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 25 या उससे ज्यादा लगातार रन बनाने के मामले में टॉप पर कब्जा कर लिया है.

सूर्यकुमार यादव ने लगातार 14 टी20 पारियों में 25 या उससे ज्यादा रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड बना डाला है. सूर्या से पहले ये रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के टेम्बा बावुमा के नाम था. उन्होंने लगातार 13 पारियों में 25+ स्कोर बनाया है. अब सूर्या उनसे आगे निकल गए हैं. इसके साथ ही ब्रैड हॉग, जैक्स रूडोल्फ, कुमार संगकारा, क्रिस लिन और काइल मेयर्स ने लगातार 11 पारियों से 25+ का स्कोर बनाया था. अब सूर्या सबसे आगे निकलकर शीर्ष पर हैं. इसके साथ ही सूर्यकुमार यादव ने मुंबई के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है. उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़कर ये रिकॉर्ड अपने नाम किया है. सचिन ने आईपीएल साल 2010 में मुंबई के लिए 618 रन बनाए थे. तब से वो मुंबई के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे लेकिन अब सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल 2025 में अब तक 14 पारियों में 640 रन बना लिए हैं. वो मुंबई के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं.

चमड़ा निर्यात के लिए केंद्र ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पहल को दिया बढ़ावा

नई दिल्ली ,27 मई । वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने वैल्यू-एडेड चमड़ा उत्पादों के निर्यात पर लागू प्रमुख प्रतिबंधों को हटाने के लिए एक अधिसूचना जारी की। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, इस कदम से अनुपालन बोझ कम होने और निर्यातकों के लिए कारोबार सुगमता में सुधार होने की उम्मीद है।

मंत्रालय की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, बंदरगाह प्रतिबंध हटा दिए गए हैं, जिससे किसी भी बंदरगाह या इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) से तैयार चमड़ा, गीला नीला चमड़ा, और ईआई टेंडेड चमड़ा निर्यात करने की अनुमति मिल गई है।

पहले, ये निर्यात विशिष्ट अधिसूचित बंदरगाहों तक ही सीमित थे। तैयार चमड़ा, गीला नीला चमड़ा, क्रस्ट चमड़ा और ईआई टैन्ड चमड़ा के निर्यात के लिए केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएलआरआई) के परीक्षण और प्रमाणन की अनिवार्य आवश्यकता को भी समाप्त कर दिया गया है।

---------------------------- व्यापार/फिल्म ----------------------------

अपोलो हस्पिटल्स ने वर्ल्ड इमरजेंसी मेडिसिन डे के उपलक्ष्य में एक आकर्षक शर्ट फिल्म जारी की

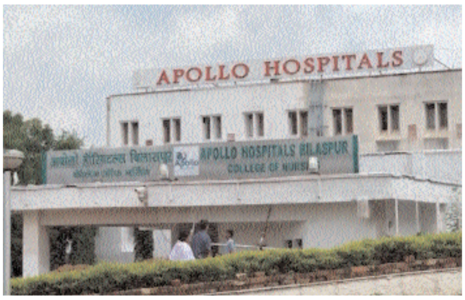

बिलासपुर। अपोलो हस्पिटल्स ने वर्ल्ड इमरजेंसी मेडिसिन डे के उपलक्ष्य में एक आकर्षक शर्ट फिल्म जारी की है। अपोलो हस्पिटल्स की निरंतर पहल का एक हिस्सा होने के नाते यह फिल्म एक महत्वपूर्ण संदेश देती है जब इलाज आपके दरवाजे पर ही शुरू हो जाता हैए तो गाड़ी क्यों चलाएंध इस अभियान के जरिएए व्यवहार में बदलाव को प्रोत्साहित करना है.लोगों से आग्रह करना कि वे आपात स्थिति के दौरान अपने प्रियजनों को अस्पताल ले जाने के बजाय १०६६ पर कल करेंए यह अपोलो हस्पिटल्स का उद्देश्य है। स्ट्रोकए दिल के दौरे या गंभीर चोटों जैसे मामलों मेंए मेडिकल सहायता मिलने में देरी गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है। फिल्म इस बात पर प्रकाश डालती है कि अच्छी तरह से सुसज्जित एम्बुलेंस के जरिए समय परए अन.साइट मेडिकल उपचार जीवित रहने और ठीक होने के परिणामों में काफी सुधार कर सकता है।

अपोलो हस्पिटल्स की डायरेक्टर.स्ट्रेटेजीए सुश्री सिंदूरी रेड्डी ने कहा देश भर में अस्पतालों के हमारे व्यापक नेटवर्क और एम्बुलेंस के अच्छी तरह से सुसज्जित बेड़े के साथए अपोलो हस्पिटल्स प्रोटोकल के अनुसारए आपातकालीन उपचार देने के लिए तैयार है। समय की कसौटी पर साबित हुए हमारे रिकवरी परिणामों के पीछे हमारी अत्यधिक कुशल चिकित्सा टीम के प्रयास हैं। निर्बाध समन्वय के साथए हम सुनिश्चित करते हैं कि उपचार आपके दरवाजे पर ही शुरू हो। यह फिल्म हम सभी को याद दिलाती है कि मेडिकल आपातकाल में १०६६ पर कल करना आपके द्वारा लिया गया सबसे महत्वपूर्ण निर्णय हो सकता है।

नन.लीनियर फर्मेट में प्रस्तुत की गईए यह फिल्म दो आपातकालीन प्रतिक्रिया श्यों के बीच तुलना करती है। पहले मेंए मरीज को उनका बेटा अस्पताल में ले जाता हैए देरी होती है और मरीज की हालत और खराब हो जाती है। दूसरे श्य में. १०६६ डायल किया जाता है। एक प्रशिक्षित अपोलो आपातकालीन टीम आती है जो अस्पताल से पहले उपचार शुरू करती है और बेहतर रिकवरी के लिए अस्पताल में तेजी से ले जाने की सुविधा प्रदान करती है।

अपोलो हस्पिटल्स में सालाना ३००.००० से ज्यादा आपातकालीन मामलों को संभाला जाता है। भारत की आपातकालीन चिकित्सा हेल्पलाइन. १०६६ स्थापित करने वाला पहला अस्पताल अपोलो हस्पिटल्स था। अपोलो में आपातकालीन प्रतिक्रिया अत्याधुनिक परिवहन प्रणालियोंए केंद्रीत समन्वय और एक कुशल मेडिकल टीम पर आधारित है।

कमजोर एशियाई संकेतों के बीच लाल निशान में खुला भारतीय शेयर बाजार

मुंबई ,27 मई । कमजोर एशियाई संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को लाल निशान में खुला। शुरूआती कारोबार में आईटी, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विस और फार्मा सेक्टर में बिकवाली दर्ज की गई।

सुबह करीब 9.28 बजे, सेंसेक्स 747.69 अंक या 0.91 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,428.76 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 204.10 अंक या 0.82 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,797.05 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी बैंक 366.95 अंक या 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 55,205.05 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 4.65 अंक या 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57,062.60 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 36.60 अंक या 0.21 प्रतिशत की बढ़त के बाद 17,744.40 पर था। विश्लेषकों के अनुसार, तकनीकी रूप से, निफ्टी ने अपनी गति को पुनः प्राप्त कर लिया है, जो निर्णायक रूप से 24,500-25,000 के अपने कंसोलिडेशन जोन से बाहर निकल गया है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में प्राइम रिसर्च के प्रमुख देवर्ष वकील ने कहा, ₹तत्काल प्रतिरोध अब 25,207 पर देखा जा रहा है, जो 26,277 से 21,743 तक की पूरी गिरावट के 76.4 प्रतिशत फिबोनाची रिट्रेसमेंट से प्राप्त हुआ है।

50 पैसे के इस शेयर ने किया कमाल, निवेशकों को दिया 715 प्रतिशत का तगड़ा मुनाफा

नई दिल्ली ,27 मई । नंदन डेनिम्स लिमिटेड के शेयर आज सोमवार को कारोबार के दौरान निवेशकों के बीच आकर्षण का केंद्र बने रहे। कंपनी ने मार्च 2025 (त्त4स्नङ्ख25) तिमाही के लिए मजबूत रेवेन्यू ग्रोथ दर्ज की, जिसके चलते इंट्रा-डे ट्रेडिंग में शेयर 4 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए। दोपहर 1 बजे के करीब कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.74त्न की तेजी के साथ 4.09 रुपए पर कारोबार कर रहा था।

सोमवार के कारोबार में यह पेनी स्टॉक 4.2 प्रतिशत तक बढ़कर 4.19 रुपए के इंट्राडे उच्च स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, इस तेजी के बावजूद यह शेयर अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 7.33 रुपए से 43 प्रतिशत नीचे है, जो इसने सितंबर 2024 में छुआ था। शेयर ने मार्च 2025 में 2.96 रुपए का 52-सप्ताह का निचला स्तर भी देखा था। मई 2020 में शेयर की कीमत महज 50 पैसे थी। पिछले एक साल में इस शेयर ने 5 प्रतिशत का मामूली रिटर्न दिया है। दो साल में शेयर में 92 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि पांच साल में इसने मल्टीबैगर रिटर्न दिया है, जो 755 प्रतिशत तक बढ़ गया है और निवेशकों के लिए एक शानदार निवेश साबित हुआ है।

मई में अब तक शेयर में 13 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि अप्रैल में 3.7 प्रतिशत और मार्च में 11.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। इस तेजी से पहले, शेयर दबाव में था और अक्टूबर 2024 से फरवरी 2025 तक लगातार पांच महीनों तक इसमें गिरावट आई थी। मार्च 2025 तिमाही के लिए कंपनी की बिक्री में 81 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले साल की समान तिमाही के 579.12 करोड़ रुपए की तुलना में बढ़कर 1,048.65 करोड़ रुपए हो गई। यह मजबूत वृद्धि कंपनी की बढ़ती बाजार उपस्थिति और भारत तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके डेनिम उत्पादों की मजबूत मांग को दर्शाती है। हालांकि, पिछली तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ पिछले साल की इसी अवधि के 27.11 करोड़ रुपए से 60.79 प्रतिशत घटकर 10.63 करोड़ रुपए रह गया। उच्च राजस्व के बावजूद लाभ में यह गिरावट लागत दबाव में वृद्धि या उत्पाद मिश्रण में बदलाव का संकेत देती है, जिससे मार्जिन प्रभावित हुआ है। वार्षिक आधार पर भी, शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 25 में 25.50 प्रतिशत घटकर 33.48 करोड़ रुपए रहा, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह 44.94 करोड़ रुपए था। फिर भी, मार्च 2025 में राजस्व में 76.44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो पिछले साल के 2,010.09 करोड़ रुपए के मुकाबले 3,546.68 करोड़ रुपए हो गया। सितंबर 2024 में, नंदन डेनिम ने 10:1 के अनुपात में स्टॉक स्प्लिट की घोषणा की थी, जिससे स्टॉक खुदरा निवेशकों के लिए अधिक किफायती और सुलभ हो गया। इससे पहले, मार्च 2022 में इसने 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए थे, जिससे शेयरधारकों को और अधिक लाभ हुआ था।

■ RNI No.CHHHIN/ 9479/2002 ■ Postal Regn No./RYPDN/11/2014-16 अम्बिकावाणी

सतबहनिया तालाब को जलकुम्भी से मुक्त करने व्यापक अभियान

रायपुर। निगम आयुक्त विश्वदीप और पण्डित भगवती चरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 57 के पार्षद और संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी के निर्देश पर जोन 4 जोन कमिश्नर श्री अरुण ध्रुव और जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री वीरेन्द्र चंद्राकर के मार्गनिर्देशन में पुराना राजेन्द्र नगर क्षेत्र में सतबहनिया तालाब को जलकुम्भी से मुक्त करवाने हेतु समाजहित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से 10 स्थानीय मछुआरों की सहायता से व्यापक अभियान प्रारम्भ किया गया है। मछुआरों की सहायता से सतबहनिया तालाब के भीतर से जलकुम्भी को खींचकर बाहर निकाला जा रहा है जेसीबी मशीन की सहायता से जलकुम्भी को तत्काल उठवाकर स्वच्छता कायम करने कार्य किया जा रहा है।

नक्सलियों ने पर्चा जारी कर बताया अबूझमाड़ मुठभेड़ में 27 नहीं 28 नक्सली मारे गये, 7 जिंदा बचे

बीजापुर। नक्सलियों के दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के प्रवक्ता विकल्प द्वारा जारी पर्चे में बताया गया है कि अबूझमाड़ मुठभेड़ को लेकर नक्सलियों ने कई खुलासे किए हैं। उनहोंने स्वीकारा है कि, इस मुठभेड़ में 27 नहीं 28 नक्सली मारे गये हैं। एक का शव वे अपने साथ ले जाने में कामयाब रहे, एक साथी नीलेश का शव उनके पास है। ।जिसमें जवानों ने 10 करोड़ रुपए के इनामी नक्सली नम्बाला केशव राव उर्फ बसवा राजू समेत 27 के शव बरामद कर किए, जबकि एक शव नक्सली अपने साथ लेकर गए हैं। जिस टीम के साथ मुठभेड़ हुई उसमें कुल 35 नक्सली थे, 7 जिंदा बचे हैं। नक्सली प्रवक्ता विकल्प का कहना है कि जनवरी तक उनकी सुरक्षा में 60 लोग रहते थे लेकिन विपरीत परिस्थितियों के कारण सुरक्षा को कम कर 35 लोगों की कर दी गयी थी।, यानी बसवा राजू के साथ कुल 60 नक्सली रहते थे। उन्होने बताया

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी
प्रेस वक्तव्य
25 मई, 2025
भाकपा (माओवादी) के महा सचिव कामरेड नंबाला केशवराव उर्फ बसवराजु अमर रहे!
गुंडेकोट अमर शहीदों को क्रांतिकारी जोहार!
21 मई, माड के गुंडेकोट हत्याकांड का निंदा करें!!

कि कुछ मुठभेड़ में मारे गए तो कुछ ने आत्मसमर्पण कर दिया था। नक्सली प्रवक्ता ने बताया कि 19 मई को गांव के पास पुलिस पार्टी के पहुंचने की सुचना मिलते ही सभी लोग निकल रहे थे, 19 को सुबह से पांच बार मुठभेड़ हुई पर कोई नु$कसान नहीं हुआ था। किन 20 मई की रात को हजारों जवानों ने हमें घेर लिया और 21 मई को ऑपरेशन में सभी मारे गए। नक्सली नेता विकल्प ने कहा है कि हम संगठन के प्रमुख नम्बाला केशव राव उर्फ बसव राजू को सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहे। नक्सली प्रवक्ता विकल्प ने अबूझमाड मुठभेड़ की जानकारी देते हुए बताया कि इस मुठभेड़ के दौरान बसवा राजू समेत उनके साथी 60 घंटे तक भूखे थे। उनके पास खाना नहीं था। पुलिस ने चारों तरफ से घेर लिया था। अब मारे गए अपने 28 साथियों के नाम जारी किए हैं। जारी पर्चे में बताया गया कि एक तरफ अत्याधुनिक हथियारों से लैस हजारों गुण्डा बल, आपरेशन में इन लोगों को खाने-पीने का व्यवस्था हेलिकाफ्टरों से किया जाता है ।दूसरी तरफ देश के सामाजिक अर्थिक समस्याओं को चलते लड? वाले मात्र 35 जन क्रांतिकारी लोग, 60 घण्टों से इन लोगों को खाने-पीने के लिए कुछ नहीं मिला, भूखे थे इन दोनों पक्षों के बीच में युद्ध शुरू होता है । हमारे बीआर दादा (नम्बाला केशव राव उर्फ बसवा राजू.)को अपने बीच में सुरक्षित जगह में रख कर प्रतिरोध किये, पहले रउंड में डीआरजी के कोटलू राम को मार गिराया। इसके बाद कुछ समय तक आगे आने के लिए कोई हिम्मत नहीं किये थे, बाद में फिर फायरिंग चालू किये प्रतिरोध को सक्रियता के साथ नेतृत्व करते हुए सभी ने आखरी तक डट कर प्रतिरोध किये, कई जवानों को घायल किये। एक टीम आगे बढ़कर उनके घेराव को तोड? में सफल हुई लेकिन भारी शेलिंग के कारण बाकी लोग उस रास्ते से नहीं निकल सके । सभी ने नेतृत्व को बचाने की अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हुए बीआर दादा (नम्बाला केशव राव उर्फ बसवा राजू.)को आखरी तक छोटा खरोंच भी आने नहीं दिया। सभी के मारे जाने के बाद बीआर दादा (नम्बाला केशव राव उर्फ बसवा राजू.)को जिंदा पकडकर हत्या कर दिया गया। हमारे कामरेड्स कुल 35 थे, इसमें 28 कामरेड्स मारे गये। इस मुठभेड़ से 7 जन सुरक्षित निकल कर आये। नीलेश का शव हमारे पीएलजीए को मिला। पुलिस फोर्स के वापस जाते समय इंद्रावति नदी किनारे आइईडी विस्पोट में और एक जवान रमेश हेमला बलिदान हो गये, जो कुछ साल पहले उसी क्षेत्र में एलओएस कमांडर के रूप में काम किये थे। नक्सली प्रवक्ता विकल्प का कहना है कि सभी ध्यान देने वाली मुख्य बात यह है कि इस सब जोन में हमारे तरफ एक तरफा सीजफायर का घोषणा कर रखे थे। कामरेड बीआर दादा (नम्बाला केशव राव उर्फ बसवा राजू.)के सुझाव पर ही शांति वार्ता के लिए अनुकूल माहोल के लिए सरकारी सशस्त्र बलों पर कार्रवाइयों पर रोक लगा रखे थे, 40 दिनों में ऐसा एक भी कार्रवाई नहीं किये थे। इस समय में षड ?त्र के तहत केंद्र, राज्य सरकार ने मिलकर इतना बड़ा हमला को अंजाम दिया, इसके बारे में एक भी मीडिया वाले सवाल नहीं उठााया। देशवासियों से हम अपील कर रहे है कि कगार के नाम से जारी इस हत्याकांड के पीछे सरकार की असली मंशा को समझिए, हमारे देश और देश के संपदाओं को, पर्यावरण को बचाने के लिए साथ खड़ा हो जायें, देश के संपदाओं को बेचने वालों के विरोध में संगठित होवे।

न्यूज गैलरी

डीएमएफ घोटाला : ईओडब्लू ने विशेष अदालत में पेश किया 6 हजार पन्नो का चार्जशीट पेश

रायपुर। डीएमएफ घोटाला मामले में मंगलवार को ईओडब्लू ने विशेष अदालत में 6,000 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट पेश की जिसमें नौ आरोपियों को नामजद किया गया है। इस चार्जशीट में पूर्व आईएएस अधिकारी रानू साहू, राप्रसे सौम्या चौरसिया और कांग्रेस नेता सूर्यकांत तिवारी भी शामिल हैं।

चार्जशीट अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया जिसमें सभी आरोपियों को भी पेश किया गया। यह चार्जशीट पिछले कई महीनों से चल रही जांच के आधार पर तैयार की गई है और इसमें घोटाले से जुड़ी विस्तृत जानकारी, दस्तावेजी सबूत, वित्तीय लेन-देन और गवाहों के बयान शामिल हैं।

10643 शालाओं का होगा युक्तियुक्तकरण

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग ने जिलों से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को मान्य करते हुए ई-संवर्ग के 5849 एवं टी-संवर्ग के 4614 इस प्रकार कुल 10643 शालाओं के युक्तियुक्तकरण करने का निर्णय लिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया जाता है।

एमआईसी मेंबर गायत्री ने किया मैकेनाइज्ड स्वीपिंग कार्य का निरीक्षण

रायपुर। नगर निगम की एमआईसी मेंबर श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर ने कल रात टाटीबंध चौक से शास्त्री चौक तक शहर की स्वच्छता व्यवस्था हेतु मैकेनाइज्ड स्वीपिंग कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आधुनिक मशीनों के माध्यम से की जा रही सड़क सफाई प्रक्रिया को देखा और सफाई कर्मचारियों से भी चर्चा की। निरीक्षण के दौरान श्रीमती चंद्राकर ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मैकेनाइज्ड स्वीपिंग के दौरान गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मशीनों की नियमित देखरेख, समय पर संचालन और कचरा निस्तारण की प्रक्रिया में पारदर्शिता आवश्यक है। उन्होंने सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए विभिन्न सुझाव भी दिए, जैसे कि – प्रमुख सड़कों के अलावा आंतरिक गलियों में भी मशीनों का उपयोग बढ़ाया जाए, और नागरिकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए।

लिव-इन में रह रही युवती की फांसी के फंदे पर लटकी मिली लाश, हत्या की आशंका

रायपुर। लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही एक युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना के बाद से युवती का प्रेमी जो कथित तौर पर बागेश्वर धाम गया हुआ है, उसका मोबाइल फोन लगातार बंद आ रहा है, जिससे मामला और भी रहस्यमय हो गया है। यह घटना रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के अंतर्गत लिली चौक स्थित एक मकान का है जहा मृतका की पहचान 23 वर्षीय आरती हनोतवाल के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार आरती पिछले कुछ महीनों से कृष्णा साहू नामक युवक के साथ इसी मकान में किराए पर लिव-इन में रह रही थी। सोमवार सुबह जब मकान मालिक ने युवती के कमरे का दरवाजा खटखटाया और कोई जवाब नहीं मिला, तो शक होने पर उन्होंने अंदर झाँका। आरती का शव फांसी पर लटका देख उनके होश उड़ गए, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। घटना की सूचना मिलते ही पुरानी बस्ती थाना पुलिस और मृतका के परिजन मौके पर पहुंचे। आरती के परिजनों ने इस घटना पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि आरती आत्महत्या जैसा कदम नहीं उठा सकती। वहीं, आरती के साथ लिव-इन में रहने वाला युवक कृष्णा साहू, जो कथित तौर पर बागेश्वर धाम दर्शन के लिए गया हुआ है, उसका मोबाइल फोन घटना के बाद से लगातार बंद आ रहा है। पुलिस उससे संपर्क करने की हरसंभव कोशिश कर रही है, लेकिन अब तक सफलता नहीं मिली है। प्रेमी का फोन बंद होना और उसका मौके पर न होना कई सवाल खड़े कर रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है। मकान मालिक से भी पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के संबंध में और जानकारी मिल सके। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो पाएगा।

बीईओ कार्यालय में बिजली बिल भुगतान के लिए बीईओ व लिपिक ने किया सवा 6 लाख 23 हजार का आहरण, लिपिक निलंबित

महासमुंद। बसना बीईओ कार्यालय में बिजली बिल भुगतान के लिए बीईओ एवं लिपिक ने सवा 6 लाख 23 हजार 348 रुपये का आहरण कर लिया। मामले की शिकायत में जांच सही पाए जाने पर संभागीय संयुक्त संचालक ने संबंधित कक्ष प्रभारी लिपिक को निलंबित करके प्रकरण शासन की ओर भेज दिया है।

जानकारी अनुसार आरटीआई कार्यकर्ता विनोद कुमार दास एवं विवेक साहू ने संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग रायपुर में एक शिकायत की थी जिसमें उल्लेख है कि बिजली मद की राशि को बैंक से चेक के माध्यम से तात्कालीन कक्ष प्रभारी सूर्यकान्त मिश्रा एवं बीईओ जोड़धाराम डहरिया ने 6 लाख 23 हजार 348 रुपए नगद आहरण किया है, लेकिन इस राशि को बिजली बिल में जमा नहीं किया। जांच में इस राशि का बिल बाउचर मांगने पर बीईओ एवं लिपिक ने एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाया। आहरित की गई राशि को अभी तक जमा नहीं किया गया है, जो गबन की श्रेणी में आता है। शिकायत की जांच में राकेश पांडेय संभागीय संयुक्त संचालक ने पाया कि इस प्रकरण में जोड़धाराम डहरिया एवं सूर्यकान्त मिश्रा दोनों दोषी है। जिसमें सूर्यकान्त मिश्रा सहायक ग्रेड 02 को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा वर्गीकरण नियत्रंण तथा अपील नियम 1966 के नियम 09 के तहत निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में श्री मिश्रा को जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगी एवं मुख्यालय बीईओ कार्यालय सिमगा में स्थान नियत किया गया है।

समाधान शिविर में अनुपस्थित अधिकारियों पर तत्काल कार्यवाही करें- मूणत

00 अधिकारीगण समाधान शिविर को गंभीरता से लेकर आमजनों को करें संतुष्ट - महापौर

0 सफाई, पेयजल, लाईट संबंधी कार्यो को प्राथमिकता से करवाये - सोनी

00 महाराष्ट्रीयन तेली समाज भवन अश्वनी नगर और शहीद संजय यादव उ.मा. शाला संजय नगर टिकरापारा में समाधान शिविर लगाया

रायपुर। महाराष्ट्रीयन तेली समाज भवन अश्वनी नगर और शहीद संजय यादव उ.मा. शाला संजय नगर टिकरापारा में सुशासन तिहार समाधान शिविर लगाया गया। सुशासन तिहार समाधान शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन कर पूर्व केबिनेट मंत्री रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत, दक्षिण विधायक सुनील सोनी, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति श्री सूर्यकांत राठौड, आयुक्त श्री विश्वदीप ने किया। मंच में आवेदन करते ही तत्काल बनाये गये राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, श्रमकार्ड पात्र नागरिको को प्रदत्त किये गये। अतिथियों ने महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में जाकर नवजात शिशुओ का अन्न प्रासन्न कराया। पूर्व केबिनेट मंत्री मूणत ने कहा कि समाधान शिविर में ड्यूटी लगाने के बाद भी अनुपस्थित अधिकारियों पर तत्काल कार्यवाही की जाये। उन्होने कहा कि अधिकारीगण आमजनता को इधर उधर घूमाने का कार्य ना करें। बल्कि जनता की समस्याओं का समाधान करने का कार्य करें। पार्षदों को जनसमस्याओं के निराकरण का कार्य जागरूक रहकर करना चाहिए। विधायक ने कहा कि अधिकारीगण सुशासन तिहार अंतर्गत लगाये गये समाधान शिविर में प्राप्त आमजनों के आवेदनो मांगो व शिकायतो का शत प्रतिशत निराकरण अगले 3 माह के भीतर करना सुनिश्चित कर ले। उन्होने कहा कि जल भराव की समस्या का भी निदान प्राथमिकता से सुशासन तिहार समाधान शिविर के माध्यम से किया जाना चाहिए। ताकि विष्णु के सुशासन का पूर्ण लाभ आमजनों को रायपुर शहर में प्राप्त हो सके। रायपुर दक्षिण विधायक सोनी ने कहा कि अधिकारियों को वार्ड पार्षदों सहित बारिश की तैयारी पुख्ता तरीके से राजधानी शहर में करने मूलभूत कार्यो सफाई पेयजल लाईट से संबंधित कार्यो को प्राथमिकता के साथ करवाना चाहिए। यदि कही पाईप लाईन लीकेज मिलता है तो तत्काल लीकेज को सुधारा जाना चाहिए ताकि कही भी गंदा पानी ना मिलने पाये एवं स्वच्छ पेयजल सभी को शहर में उपलब्ध कराया जा सके। दक्षिण विधायक ने कहा कि नालो व नालियों की

सफाई सभी जोनो के अधिकारियों को वार्ड पार्षदों से समन्वय कर- के मानसून की पहली बारिश के पूर्व प्राथमिकता से करवाना चाहिए ताकि कही भी जलभराव ना होने पाये। यदि सफाई के बाद भी जल भराव कही होता है तो वहां नगर निगम को जवाबदेही तय कर संबंधित जोन अधिकारियों पर कार्यवाही करनी चाहिए। पूरे शहर में लाईट की व्यवस्था बारिश के पूर्व नगर निगम को दुरूस्त कर शत प्रतिशत लाईट जलवाना सुनिश्चित करना चाहिए। ताकि लोगो को कही भी परेशानी ना हो। महापौर मीनल चौबे ने कहा कि अधिकारीगण सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविर को गंभीरता से लेते हुए आम जनता को उनके आवेदनो के समाधान की जानकारी देकर संतुष्ट करने का कार्य करें एवं यदि आम जनता अधिकारियों के जवाब व जानकारी से संतुष्ट ना हो तो संबंधित नागरिको को कारण सहित कार्य नहीं किये जा सकने की स्पष्ट जानकारी लिखित रूप में दें ताकि वे अन्य योजनाओं में लाभ उठा सकें एवं अपात्र नागरिक जानकारी के अभाव में शहर में इधर उधर ना भटके। महापौर ने आमजनों से मंच से अपील की कि वे सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविर में अधिक से अधिक संख्या में आकर अपनी मांगो एवं शिकायतो से राज्य शासन, जिला प्रशासन, नगर निगम प्रशासन के अधिकारियों को अवगत कराये ताकि उनका समाधान कर आमजनता विष्णु के सुशासन का प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त कर सके। सभापति श्री सूर्यकांत राठौड ने कहा कि सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविर में बडी संख्या में नागरिको का आना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में आमजनों के कार्य नहीं हो पाये है। इसी कारण वे इतनी बडी संख्या में शिविर में पहुंचकर विष्णु के सुशासन का प्रत्यक्ष लाभ उठा रहे है। सभापति ने नगर निगम सहित सभी शासकीय विभागो के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कडी मेहनत से आमजनों की शिकायतो, मांगो का त्वरित समाधान करने पर एवं उन्हें विष्णु के सुशासन का लाभ उपलब्ध कराने पर बधाई दी।

रायपुर के बाद दुर्ग में भी मिला एक कोरोना संक्रमित

भिलाई। भारत साहित दुनिया के कई देशों में एक बार फिर कोरोना का संक्रमण तेजी से पांव पसार रहा है। भारत में एक्टिव कोरोना मरीजों की संख्या 1000 के पार पहुंच चुकी है। वहीं, बात करें छत्तीसगढ़ की तो यहां भी नए कोरोना संक्रमितों की पुष्टि हो रही है। दुर्ग में एक नए कोरोना मरीज की पुष्टि हुई है। बता दें कि इससे पहले रायपुर में भी एक कोरोना मरीज की पुष्टि हो चुकी है। ऐसे में अब कुल कोरोना संक्रमितों की संख्या 2 हो गई है। दुर्ग में मिले मरीज की दुर्ग सीएमएचओ डॉ मनोज दानी ने पुष्टि की है।

मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग जिले में मिले कोरोना मरीज में सर्दी,खांसी और बुखार के लक्षण पाए गए हैं, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कोरोना टेस्ट किए जाने पर मरीज के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। हालांकि संक्रमित की कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं मिली है। फिलहाल मरीज का भिलाई के निजी हॉस्पिटल में इलाज जारी है। कोरोना संक्रमण को देखते हुए सीएम मेडिकल कॉलेज और लाल बहादुर शस्त्री में मरीजों के लिए अलग से आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार सबसे ज्यादा मामले केरल में 430 में है, उसके बाद महाराष्ट्र में 209 और दिल्ली 104 एक्टिव केसों के साथ तीसरे स्थान है। जबकि कर्नाटक में 34 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद एक्टिव मामलों की संख्या 47 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने आगे बताया कि गुजरात में 76 नए मामले सामने आए हैं, अब राज्य में एक्टिव मामलों की संख्या 83 हो गई है।

जब्बार नाला सफाई का निरीक्षण, निकासी के लिए पुलिया चौडी करने आवश्यक निर्देश

रायपुर। निगम आयुक्त विश्वदीप ने रानी लक्ष्मी बाई वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद देवदत्त द्विवेदी सहित जोन 9 जोन कमिश्नर श्री संतोष पाण्डेय, जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री उमेश नामदेव की उपस्थिति में वार्ड क्षेत्र में जब्बार नाला की बारिश पूर्व सफाई व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर इसे लेकर वार्ड पार्षद से स्थल पर चर्चा की । आयुक्त ने जोन कमिश्नर को जब्बार नाला क्षेत्र में सकरी पुलिया को व्यवहारिक आवश्यकता के अनुरूप चौड़ा करने एवं गंदे पानी की व्यवस्थित निकासी करवाने का कार्य करने हेतु आवश्यक निर्देश दिये। आयुक्त ने जब्बार नाला की तले तक लद्दी निकालकर मानसून की बारिश के पूर्व सुव्यवस्थित तरीके से सफाई करवाने के निर्देश जोन कमिश्नर और जोन स्वास्थ्य अधिकारी को दिये। आयुक्त विश्वदीप ने वार्ड 10 क्षेत्र में पार्षद श्री देवदत्त द्विवेदी सहित वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर जलभराव क्षेत्र में शीघ्र स्थल सर्वे करवाकर व्यवहारिक आवश्यकता के अनुसार नालियों का निर्माण करवाये जाने जोन से प्रस्ताव तैयार कर भिजवाने के निर्देश जोन 9 जोन कमिश्नर श्री संतोष पाण्डेय को स्थल पर कार्य समीक्षा के दौरान दिये।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (मोवा थाना के सामने) मोवा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फ्लैट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टुटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com